Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

'हिमाचल प्रदेश का विकास सुनिश्चित करें'

वर्ष-17, अंक-22 16-30 नवंबर , 2022 (पाक्षिक) ₹20

हिमाचल एवं गुजरात चुनावों में भाजपा शानदार विजय प्राप्त करेगी

शिमला (हिमाचल प्रदेश) में 06 नवंबर, 2022 को जनसंपर्क करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

सलूणी (हिमाचल प्रदेश) में 03 नवंबर, 2022 को एक विशाल जनसभा को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

शिमला (हिमाचल प्रदेश) में 04 नवंबर, 2022 को एक रोड शो के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नगरोटा (हिमाचल प्रदेश) में 06 नवंबर, 2022 को एक जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

जसवां–परागपुर (हिमाचल प्रदेश) में 06 नवंबर, 2022 को विजय संकल्प रैली के दौरान जन–अभिवादन स्वीकार करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

बैजनाथ (हिमाचल प्रदेश) में 07 नवंबर, 2022 को एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 प्रधानमंत्री राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में हुए सम्मिलित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्रीय एकता दिवस से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। श्री मोदी ने वर्ष 2022 में एकता दिवस की महत्ता को रेखांकित किया...

10 रोजगार मेले

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 अक्टूबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रोजगार मेले- 10 लाख कर्मियों के लिए भर्ती अभियान- का...

12 भाजपा सेवा भाव से काम करती है, कांग्रेस सत्ता का मेवा खाने के लिए काम करती है: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2 नवंबर, 2022 को हिमाचल...

24 'आज अयोध्या नगरी भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के स्वर्णिम अध्याय का प्रतिबिंब है'

दीपावली की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के...

30 'यथास्थान झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास परियोजना' के तहत दिल्ली के कालकाजी में 3024 नवनिर्मित फ्लैटों का उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो नवंबर को 'यथास्थान झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास...

वैचारिकी

राष्ट्रीयता कभी मानवता विरोधी नहीं होती / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 20

रिपोर्ट

'जवान' भारत की शान हैं / **विपुल शर्मा** 26

अन्य

हिमाचल में तेज विकास जरूरी है, स्थिर सरकार जरूरी है: नरेन्द्र मोदी 14

जयराम ठाकुर सरकार ने हिमाचल प्रदेश में विकास के एक नए दौर की शुरुआत की है: अमित शाह 15

भाजपा का संकल्प पत्र समाज में समानता लाने के लिए कटिबद्ध है : जगत प्रकाश नड्डा 16

रबी सीजन 2022-23 के लिए फॉस्फेट और पोटाश युक्त उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी को मिली मंजूरी 17

रेलवे ने चालू वित्त वर्ष में अक्टूबर, 2022 तक माल ढुलाई से 92,345 करोड़ रुपये की कमाई 18

भारतीय सेना ने 'आत्मनिर्भरता' को प्रोत्साहन देते हुए पांच मेक-II परियोजनाओं को दी मंजूरी 19

कमल पुष्प 22

मोदी स्टोरी 23

मानगढ़ राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात के लोगों की साझी विरासत: नरेन्द्र मोदी 28

मनोहर सरकार ने भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी को खत्म करके हरियाणा को विकसित राज्य बनाने का काम किया है: अमित शाह 29

'मन की बात' 33

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

कांग्रेस हमेशा झूठे वादे करती रही है। गरीबी हटाने की बात हो या फिर 'वन रैंक—वन पेंशन' लागू करने का मामला, उसने कभी वादे पूरे नहीं किए। भाजपा ने 'वन रैंक—वन पेंशन' का वादा किया और उसे पूरा करके दिखाया। (5 नवंबर, 2022)

जगत प्रकाश नड्डा

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने हिमाचल प्रदेश के विकास व जनता के कल्याण का एक अभूतपूर्व समन्वय स्थापित कर देवभूमि को प्रगति के पथ पर अग्रसर किया है। जन-जन भाजपा के साथ हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है इस बार देवतुल्य जनता राज नहीं, रिवाज़ बदलकर इतिहास रचेगी। (5 नवंबर, 2022)

अमित शाह

मोदी सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है। इसके लिए एनआईए व अन्य एजेंसियों को मजबूत किया गया है। मोदी सरकार 2024 तक देश के हर राज्य में एनआईए की शाखा बनाकर एक दृढ़ आतंकवाद-रोधी नेटवर्क बनाने की दिशा में काम कर रही है। (27 अक्टूबर, 2022)

राजनाथ सिंह

जो सैनिक दिन-रात देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं ऐसे सैनिकों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हर साल दिवाली मनाते हैं और उनसे मिलकर त्योहार की ख़ुशियां साझा करते हैं। आज उन्होंने कारगिल में सैनिकों के साथ दीपावली मनाई और उनका हौसला बढ़ाया। प्रधानमंत्रीजी का हृदय से आभार। (24 अक्टूबर, 2022)

बी.एल. संतोष

सुप्रीम कोर्ट ने अनारक्षित वर्गों के लिए ईडब्ल्यूएस आरक्षण की वैधता को बरकरार रखा है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गरीब कल्याण के दृष्टिकोण की एक और बड़ी प्रशंसा है। सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा प्रोत्साहन है। (07 नवंबर, 2022)

सर्बानन्द सोनोवाल

भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल एक महान नेता थे, जिन्होंने राष्ट्र को एकजुट किया और नए भारत की नींव रखी। मां भारती के महान सपूत को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन। (31 अक्टूबर, 2022)

प्रधानमंत्री ने लालकृष्ण आडवाणी से भेंट कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उप-प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी 8 नवंबर, 2022 को 95 साल के हो गए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित उनके घर जाकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट कर अपने शुभकामना संदेश में कहा, "आडवाणी जी के आवास पर गया और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। भारत के विकास में उनका महान योगदान है। उनकी दूरदृष्टि और समझ के लिए पूरे भारत में उनका सम्मान किया जाता है। भाजपा का निर्माण करने और इसे मजबूत करने में उनकी भूमिका अद्वितीय है। मैं उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।"

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने ट्वीट कर श्री लालकृष्ण आडवाणी को शुभकामना देते हुए कहा, "भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, राजनीति के शिखर पुरुष, हमारे मार्गदर्शक, आदरणीय श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। राष्ट्र एवं संगठन को समर्पित आपका जीवन हमारे लिए प्रेरणापुंज है। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य व सुदीर्घ जीवन की प्रार्थना करता हूं।"

कमल संदेश की ओर से
पूर्व उप-प्रधानमंत्री
श्री लालकृष्ण आडवाणी
को जन्मदिन की शुभकामनाएं तथा उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना।

संपादकीय

हिमाचल और गुजरात में भाजपा की भारी जीत सुनिश्चित

गुजरात विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही पूरे प्रदेश में भाजपा के प्रति उमड़ता जनसमर्थन और भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की जनसभाओं में बढ़ता जनसैलाब इस तथ्य की ओर इंगित करता है कि इस बार पहले से भी अधिक संख्या में भाजपा को सीटें प्राप्त होंगी। प्रदेश में भाजपा की यात्रा देश में गुजरात के अग्रणी प्रदेश के रूप में उभरने की गाथा है। जैसे-जैसे गुजरात ने भाजपा सरकारों के नेतृत्व में नई ऊंचाइयों को छूना प्रारंभ किया, हर चुनाव में भाजपा को जनता का उतना ही अधिक आशीर्वाद मिलता रहा है। मुख्यमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं दूरदर्शी नेतृत्व में गुजरात ने विकास के हर मानदंड पर नए कीर्तिमान स्थापित किए और पूरे देश में प्रगति एवं विकास के लिए आशा की किरण जगाई। 'गुजरात मॉडल' दूसरे प्रदेशों के लिए एक आदर्श के रूप में उभरा तथा 'नए भारत' के निर्माण के लिए संपूर्ण राष्ट्र को प्रेरित किया। गुजरात के उभार से पूरे देश में ऊंचे लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आत्मविश्वास जगा तथा कड़ी मेहनत, समर्पण तथा प्रतिबद्धता से उन लक्ष्यों को प्राप्त करने का संकल्प दृढ़ हुआ।

अब जब हिमाचल प्रदेश एवं गुजरात में चुनाव हो रहे हैं, जनता इन प्रदेशों में 'डबल इंजन' सरकार को पुनः भारी समर्थन से चुनने का मन बना चुकी है

हिमाचल प्रदेश में भाजपा ने अपना 'संकल्प पत्र' जारी किया है, जिसमें प्रदेश के विकास एवं प्रगति को और अधिक तेज करने के लिए 11 प्रतिबद्धताओं को संकल्पित किया गया है। 'समान नागरिक संहिता' के क्रियान्वयन के साथ 'मुख्यमंत्री अन्नदाता सम्मान निधि' के अंतर्गत छोटे किसानों को 3,000 रुपए की सहायता की घोषणा की गई है। यह सहायता मोदी सरकार द्वारा 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' के अंतर्गत दिए जाने वाले 6000 रुपए से अतिरिक्त होगी। 'संकल्प-पत्र' युवाओं के लिए रोजगार के और अधिक अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्रदेश में पांच नए मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए भी प्रतिबद्ध है। हर गांव को पक्की सड़कों से जोड़ने के साथ सेब की पैकेजिंग मैटिरियल पर जीएसटी सीमित कर सेब किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए भी भाजपा प्रतिबद्ध है। ध्यान देने योग्य है कि पिछले पांच वर्षों में मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने न केवल प्रदेश में राजनैतिक स्थिरता दी, बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरक नेतृत्व में विकास की किरणों से हिमाचल प्रदेश में नया उजाला लाया है।

एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश भाजपा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के महिला सशक्तीकरण की दृष्टि को साकार करते हुए 'स्त्री शक्ति संकल्प-पत्र' भी जारी किया है। संकल्प-पत्र की भांति इसमें भी महिला विकास एवं सशक्तीकरण के लिए 11 प्रतिबद्धताएं संकल्पित हैं। इसमें 'मुख्यमंत्री शगुन योजना' के अंतर्गत गरीब परिवारों की बच्चियों के लिए राशि 31,000 रुपए से बढ़ाकर 51,000 रुपए किया गया है। तथा साथ ही, संकल्प पत्र में छठवीं से आठवीं कक्षा की छात्राओं के लिए निःशुल्क साइकिल तथा उच्चतर शिक्षा के लिए नामांकित छात्राओं के लिए स्कूटी का प्रावधान है। हर गर्भवती महिला को 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता से जच्चा-बच्चा दोनों के स्वास्थ्य रक्षण एवं पोषण सुनिश्चित होगा। 'देवी अन्नपूर्णा योजना' के अंतर्गत हर गरीब परिवार को वर्ष में तीन गैस सिलेंडर निःशुल्क दिए जाने से गरीब महिलाओं का सशक्तीकरण होगा। कक्षा 12वीं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली 5,000 छात्राओं को 2,500 रुपए के मासिक छात्रवृत्ति एवं सरकारी नौकरियों एवं शिक्षण संस्थानों में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण से आने वाले वर्षों में निश्चित रूप से व्यापक महिला सशक्तीकरण का मार्ग प्रशस्त होगा।

विभिन्न प्रदेशों में 'डबल इंजन' सरकार से लोगों की प्रगति एवं विकास में व्यापक परिवर्तन हुआ है। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं मजबूत नेतृत्व में देश नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है और भाजपा को परफॉरमेंस एवं विकास की राजनीति की नींव रखने का श्रेय जाता है। अब जब हिमाचल प्रदेश एवं गुजरात में चुनाव हो रहे हैं, जनता इन प्रदेशों में 'डबल इंजन' सरकार को पुनः भारी समर्थन से चुनने का मन बना चुकी है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

एकता हमारी विलक्षणता रही है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक गुजरात की यात्रा की। 30 अक्टूबर को श्री मोदी ने वडोदरा में सी-295 विमान विनिर्माण केंद्र की आधारशिला रखी। 31 अक्टूबर को वे केवड़िया गए और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद श्री मोदी ने राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में हिस्सा लिया। आरंभ 4.0 के समापन अवसर पर प्रधानमंत्री ने 97वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया। यहां से श्री मोदी बनासकांठा जिले पहुंचे, जहां पर उन्होंने थराद में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। अहमदाबाद में प्रधानमंत्री ने देश की प्रमुख रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। श्री मोदी ने 1 नवंबर को गुजरात के पंचमहल के जंबुघोड़ा में अनेक विकास परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं और कई की आधारशिला रखी।

केवड़िया

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में हुए सम्मिलित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्रीय एकता दिवस से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। श्री मोदी ने वर्ष 2022 में एकता दिवस की महत्ता को रेखांकित किया, क्योंकि यह वह वर्ष है, जब हमने अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे किये हैं और हम नये संकल्पों के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हर स्तर पर एकता जरूरी होती है, चाहे वह परिवार में हो, समाज या राष्ट्र में। श्री मोदी ने कहा कि यह भावना हर जगह 75,000 एकता दौड़ों के रूप में परिलक्षित हो रही है। उन्होंने कहा कि पूरा देश सरदार पटेल के दृढ़ संकल्प से प्रेरणा ग्रहण कर रहा है। हर नागरिक देश की एकता और 'पंच-प्रण' का संकल्प ले रहा है।

प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि सरदार पटेल की जयंती और एकता दिवस हमारे लिये कैलेंडर की तारीखें नहीं हैं, वे भारत की सांस्कृतिक शक्ति का महोत्सव हैं। भारत के लिए एकता कभी मजबूरी नहीं रही, यह हमेशा हमारे देश की विशेषता रही है। एकता हमारी विलक्षणता रही है।

राष्ट्र की एकता को मजबूत करने की जिम्मेदारी हर नागरिक की है

श्री मोदी ने कहा कि एकता दिवस के अवसर पर मैं सरदार साहब द्वारा हमें सौंपे गये दायित्व को फिर से दोहराना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता को मजबूत करने की जिम्मेदारी हर नागरिक की है और यह तभी संभव होगा, जब देश का हर नागरिक जिम्मेदारी की

भावना के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करेगा।

श्री मोदी ने कहा कि सरकारी योजनाएं बिना किसी भेदभाव के देश के हर व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि जिस तरह से सूरत, गुजरात के लोगों तक आसानी से मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध है, उसी तरह अरुणाचल प्रदेश के सियांग के लोगों को भी मुफ्त वैक्सीन उसी आसानी के साथ उपलब्ध है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जैसे मेडिकल संस्थान अब केवल गोरखपुर में ही नहीं, बल्कि बिलासपुर, दरभंगा, गुवाहाटी, राजकोट और देश के अन्य भागों में भी मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि वैसे तो विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न भाषाएं बोली जाती हैं, लेकिन सरकारी योजनाएं पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को जोड़ते हुए भारत के हर भू-भाग तक पहुंच रही हैं।

मुख्य बातें

- पूरा देश सरदार पटेल के दृढ़ संकल्प से प्रेरणा ग्रहण कर रहा है
- सरदार पटेल की जयंती और एकता दिवस हमारे लिए कैलेंडर की तारीखें नहीं हैं, वे भारत की सांस्कृतिक शक्ति का महोत्सव हैं
- गुलामी की मानसिकता, स्वार्थ भाव, तुष्टीकरण, भाई-भतीजावाद, लालच और भ्रष्टाचार देश को विघटित तथा कमजोर कर सकते हैं
- हम एकता के अमृत से विघटनकारी जहर का मुकाबला कर सकते हैं
- बिना भेदभाव के अंतिम व्यक्ति को जोड़ते हुए सरकारी योजनाएं देश के हर कोने में पहुंच रही हैं
- अवसंरचना में अंतराल जितना कम होगा, एकता उतनी मजबूत होगी
- देश की एकता के लिए अपने अधिकारों का बलिदान करने वाले शाही परिवारों की कुर्बानियों के प्रति समर्पित एकता नगर में एक संग्रहालय बनाया जायेगा

मोरबी

प्रधानमंत्री ने मोरबी में हुई दुर्घटना में प्राण गंवानेवालों के प्रति गहरा दुःख व्यक्त किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 अक्टूबर को मोरबी में हुई दुर्घटना में प्राण गंवानेवालों के प्रति गहरा दुःख व्यक्त किया। दरअसल, मोरबी टाउन में मच्छु नदी पर अंग्रेजों के समय में बना सस्पेंशन ब्रिज टूट जाने से लगभग 135 लोगों की मृत्यु हो गई।

प्रधानमंत्री ने उन सभी के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की, जिन्होंने इस दुर्घटना में अपने प्राण खो दिये। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार पीड़ितों के परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

प्रधानमंत्री ने मोरबी में हुई दुर्घटना के पीड़ितों के लिए पीएमएनआरएफ से अनुग्रह राशि की घोषणा की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 अक्टूबर को मोरबी में हुई दुर्घटना के पीड़ितों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से अनुग्रह राशि की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया, "श्री नरेन्द्र मोदी ने मोरबी में हुई दुर्घटना में जान गंवाने वालों में से प्रत्येक के निकटतम परिजन के लिए पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। घायल लोगों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।"

श्री मोदी ने देशवासियों को आश्वस्त किया कि बचाव अभियानों में कोई कसर बाकी नहीं रखी जायेगी।

प्रधानमंत्री ने मोरबी में दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया तथा पीड़ित परिवार से की मुलाकात

मोरबी पहुंचने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल के साथ दुर्घटना स्थल का दौरा किया। श्री मोदी मोरबी सिविल अस्पताल गए, जहां घायलों का इलाज चल रहा है और घायल पीड़ितों से मिले। उन्होंने पीड़ित परिवार से भी मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी।

इसके अलावा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजभवन, गांधीनगर में मोरबी में स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री को मोरबी में हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना के बाद से जारी बचाव और राहत कार्यों के बारे में जानकारी दी गई। हादसे से जुड़े सभी पहलुओं पर चर्चा की गई। श्री मोदी ने एक बार फिर यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता मिले।

उच्च स्तरीय बैठक में गुजरात के मुख्यमंत्री सर्वश्री भूपेंद्र भाई पटेल, गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी, गुजरात के मुख्य सचिव और डीजीपी सहित राज्य के गृह विभाग और गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सहित अन्य शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया।

वडोदरा

प्रधानमंत्री ने गुजरात के वडोदरा में सी-295 विमान निर्माण संयंत्र का किया शिलान्यास

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 अक्टूबर को गुजरात के वडोदरा में सी-295 विमान निर्माण संयंत्र का शिलान्यास किया। उन्होंने 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत एयरोस्पेस उद्योग में तकनीकी और विनिर्माण संबंधी प्रगति को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का भी दौरा किया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आज भारत को दुनिया का बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में हम बहुत बड़ा कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज अपना फाइटर प्लेन बना रहा है। भारत आज अपना टैंक बना रहा है, अपनी सबमरीन, दवाएं, टीके, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, मोबाइल फोन और कार बना रहा है, जो कई देशों में लोकप्रिय है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेक इन इंडिया, मेक फॉर द ग्लोब के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा भारत, आज अपने सामर्थ्य को और बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि अब भारत, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का भी बहुत बड़ा निर्माता बनेगा। श्री मोदी ने कहा कि उन्हें ऐसा लग रहा है कि भारत जल्द ही बड़े यात्री विमानों का निर्माण करेगा, जिस पर गर्व से 'मेड इन इंडिया' लिखा रहेगा।

उन्होंने कहा कि आज जिस संयंत्र का शिलान्यास किया गया, उसमें देश के रक्षा और परिवहन क्षेत्र को बदलने की ताकत है। श्री मोदी ने कहा कि यह पहली बार है कि भारतीय रक्षा क्षेत्र में इतना बड़ा निवेश हो रहा है। उन्होंने कहा कि यहां बनने वाले ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट हमारी सेना को तो ताकत देंगे ही, इससे एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक नए इकोसिस्टम का भी विकास होगा।

श्री मोदी ने कहा कि वडोदरा जो एक सांस्कृतिक और शिक्षा के केंद्र के रूप में प्रसिद्ध है, अब एक विमानन क्षेत्र के हब के रूप में एक नई पहचान विकसित करेगा। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस परियोजना से 100 से अधिक एमएसएमई भी जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द ग्लोब' के वादे को इस जमीन से नई गति मिलेगी, क्योंकि यह परियोजना भविष्य में अन्य देशों से निर्यात के लिए ऑर्डर लेने में सक्षम होगी।

मुख्य बातें

- मेक इन इंडिया, मेक फॉर द ग्लोब के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा भारत
- एयर ट्रैफिक के मामले में हम दुनिया के शीर्ष तीन देशों में पहुंचने वाले हैं
- भारत किफायती लागत पर निर्माण और उच्च उत्पादन का अवसर पेश कर रहा है
- आज का भारत, एक नए माइंडसेट, एक नए वर्क कल्चर के साथ काम कर रहा है
- आज हमारी पॉलिसी स्टेबल है, प्रिडिक्टेबल है और फ्यूचरिस्टिक है
- हमारा लक्ष्य 2025 तक अपने रक्षा निर्माण को 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक करना है। हमारा रक्षा निर्यात भी 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक होगा

अहमदाबाद

प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में विभिन्न रेल परियोजनाओं को देश को समर्पित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर को असारवा, अहमदाबाद में 2900 करोड़ से अधिक की दो रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि गुजरात के विकास के लिए, गुजरात की कनेक्टिविटी के लिए आज बहुत बड़ा दिन है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गुजरात के लाखों लोग जो एक बड़े क्षेत्र में ब्रॉड गेज लाइन न होने की वजह से परेशान रहते थे, उन्हें आज से बहुत राहत मिलने जा रही है।

श्री मोदी ने कहा कि पूरे रूट का कायाकल्प हो गया है। अब असारवा से हिम्मतनगर होते हुए उदयपुर तक मीटर गेज लाइन, ब्रॉड गेज में बदल गई है। उन्होंने बताया कि गुजरात का यह हिस्सा अब सीधे पड़ोसी राज्य राजस्थान के साथ-साथ पूरे देश से जुड़ जाएगा। लूणीधर-जेतलसर के बीच जो गेज परिवर्तन का काम हुआ है, वह भी इस क्षेत्र में रेलवे कनेक्टिविटी को आसान करेगा। यहां से निकली ट्रेनें देश के किसी भी हिस्से में जा सकेंगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद दशकों तक हमारे देश में अमीर-गरीब की खाई, गांव-शहर की खाई, असंतुलित विकास बहुत बड़ी चुनौती रहे हैं। सरकार इस चुनौती का समाधान करने में जुटी है। 'सबका विकास' की हमारी नीति एकदम साफ है। इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य सुविधाएं मध्यम वर्ग और गरीबों को गरीबी से लड़ने का साधन उपलब्ध कराती हैं।

थराद, बनासकांठा

थराद, बनासकांठा में 8000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की रखी गई आधारशिला

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर को गुजरात के थराद, बनासकांठा में 8000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं

गुजरात विधानसभा चुनाव की घोषणा

1 और 5 दिसंबर को मतदान, 8 दिसंबर को परिणाम

गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में मतदान होगा। राज्य में पहले चरण के लिए एक दिसंबर और दूसरे चरण के लिए पांच दिसंबर को मत डाले जाएंगे, वहीं 8 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश के साथ ही परिणाम की घोषणा होगी। गत 3 नवंबर, 2022 को चुनाव आयोग ने प्रेस कांफ्रेस कर उक्त जानकारी दी।

चुनाव आयोग ने बताया कि गुजरात में 18 फरवरी, 2023 को विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल खत्म हो रहा है। इस बार 4 करोड़ 90 लाख 89 हजार 765 लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें 2 करोड़ 53 लाख से ज्यादा पुरुष मतदाता और 2 करोड़ 37 लाख से ज्यादा महिला मतदाता हैं। इस बार कुल पोलिंग स्टेशन 51 हजार 782 होंगे। 3,24,422 नए मतदाता इस बार पहली बार मतदान करेंगे।

गुजरात में विधानसभा की कुल 182 सीटें हैं। इनमें 40 सीटें आरक्षित हैं। 13 सीटें अनुसूचित जाति के लिए और 27 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित हैं। 2017 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 99, कांग्रेस को 77 सीटें मिलीं थी। दो सीटें भारतीय ट्राइबल पार्टी, एक सीट एनसीपी को मिली थी, बाकी तीन सीटों में निर्दलीय जीते थे।

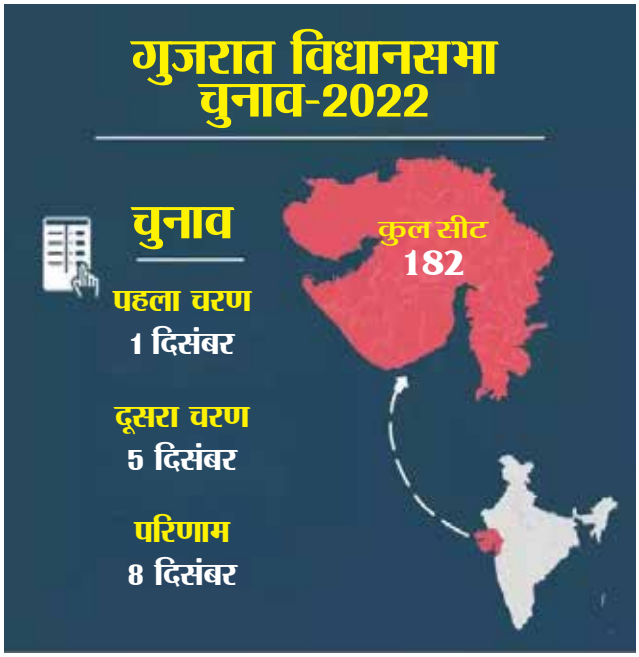

चुनाव आयोग द्वारा गुजरात विधानसभा चुनावों की घोषणा का स्वागत करता हूं। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा भारी बहुमत से गुजरात में पुनः डबल इंजन की सरकार बनाएगी और आगामी 5 वर्षों के लिए जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कटिबद्ध भाव से काम करेगी।

- जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

की आधारशिला रखी। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि इन परियोजनाओं से बनासकांठा, पाटन और मेहसाणा सहित गुजरात के छह से अधिक जिलों में सिंचाई सुविधाओं में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब से मैं भूमि का 'सेवक' बना हूं, हमारी सरकार ने इस क्षेत्र की समस्याओं की पहचान की और पूरे समर्पण एवं ईमानदारी के साथ उनके समाधान की दिशा में काम किया। श्री मोदी ने कहा कि हमने जल संरक्षण, निर्मित चेक डैम और तालाबों पर ध्यान केंद्रित किया।

प्रधानमंत्री ने सुजलम-सुफलाम योजना, वासमो योजना और पानी समितियों का उदाहरण दिया। उन्होंने महिलाओं द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की भी चर्चा की, जिसके परिणामस्वरूप कच्छ सहित पूरा उत्तर गुजरात क्षेत्र ड्रिप सिंचाई और 'प्रति बूंद अधिक फसल' मॉडल के साथ फल-फूल रहा है, जबकि क्षेत्र में कृषि, बागवानी के साथ-साथ पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। ■

प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले का किया शुभारंभ

75,000 नवनियुक्त व्यक्तियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 अक्टूबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रोजगार मेले— 10 लाख कर्मियों के लिए भर्ती अभियान— का शुभारंभ किया। समारोह के दौरान 75,000 नवनियुक्त व्यक्तियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

नियुक्त व्यक्तियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते आठ वर्षों में देश में रोजगार और स्वरोजगार का जो अभियान चल रहा है, आज उसमें एक और कड़ी जुड़ रही है। यह कड़ी है रोजगार मेला। श्री मोदी ने कहा कि आजादी के 75 साल को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार एक कार्यक्रम के तहत 75,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र दे रही है।

रोजगार मेले का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि हमने तय किया कि एक बार में ही नियुक्ति पत्र देने की परंपरा शुरू की जानी चाहिए, ताकि परियोजनाओं को समय-सीमा के भीतर पूरा करने का सामूहिक स्वभाव विभागों में विकसित हो। आने वाले दिनों में भी अभ्यर्थियों को सरकार की ओर से समय-समय पर उनके नियुक्ति पत्र मिलते रहेंगे।

मुख्य बातें

- हमारे कर्मयोगियों के प्रयासों से सरकारी विभागों की दक्षता बढ़ी है
- पिछले 8 वर्षों में किए गए सुधारों की वजह से आज भारत 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है
- देश में मुद्रा योजना जैसा व्यापक स्वरोजगार का कार्यक्रम पहले कभी लागू नहीं किया गया
- देश की युवा आबादी को हम अपनी सबसे बड़ी ताकत मानते हैं
- अधिक से अधिक रोजगार सृजित करने के लिए केंद्र सरकार एक साथ कई मोर्चों पर काम कर रही है
- 21वीं सदी के भारत में सरकारी सेवा एक समय सीमा के भीतर लोगों को सेवा मुहैया कराने और कार्य को पूरा करने के प्रति एक वचनबद्धता है
- आप जब भी कार्यालय में प्रवेश करें तो हमेशा अपने 'कर्तव्य पथ' को ध्यान में रखें

श्री मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि केंद्रशासित प्रदेशों के साथ कई एनडीए शासित और भाजपा शासित राज्य भी इसी तरह के मेलों का आयोजन करेंगे। प्रधानमंत्री ने नवनियुक्त व्यक्तियों से कहा कि अमृत काल में विकसित भारत के लिए संकल्प की सिद्धि के लिए हम 'आत्मनिर्भर भारत' के रास्ते पर चल रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भरता के पथ पर ले जाने में हमारे इनोवेटर, एंटरप्रेन्योर, उद्यमियों, किसानों, सर्विसेस और मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े साथियों की बड़ी भूमिका है।

स्टार्टअप इंडिया अभियान

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप इंडिया अभियान ने तो देश के युवाओं के सामर्थ्य को पूरी दुनिया में स्थापित कर दिया है। इसी तरह, महामारी के दौरान एमएसएमई क्षेत्र को बड़े पैमाने पर समर्थन दिया गया, जिससे लगभग 1.5 करोड़ रोजगार को बचाया जा सका।

श्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी में देश का सबसे महत्वाकांक्षी मिशन है, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत। आज देश कई मामलों में एक बड़े आयातक से एक बहुत बड़े निर्यातक की भूमिका में आ रहा है। अनेक ऐसे सेक्टर हैं, जिसमें भारत आज ग्लोबल हब बनने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है।

गुजरात रोजगार मेला

गुजरात का एक वर्ष में 35 हजार पदों को भरने का लक्ष्य

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 अक्टूबर को वीडियो संदेश के माध्यम से गुजरात रोजगार मेले को संबोधित किया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने धनतेरस दिवस पर कहा था कि विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में इसी तरह के रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि गुजरात तेजी से आगे बढ़ा है और आज गुजरात पंचायत सेवा बोर्ड से 5000 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं, 8000 उम्मीदवारों को गुजरात सब इंस्पेक्टर भर्ती बोर्ड और लोकरक्षक भर्ती बोर्ड से नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि हाल के दिनों में गुजरात में 10 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए और अगले एक वर्ष में 35 हजार पदों को भरने का लक्ष्य रखा गया है।

जम्मू-कश्मीर रोजगार मेला

नई संभावनाओं का पूरा लाभ उठाने का समय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 अक्टूबर को वीडियो संदेश के माध्यम से जम्मू-कश्मीर रोजगार मेले को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आज के दिन को जम्मू-कश्मीर के होनहार युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण दिन बताया।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर में 20 विभिन्न स्थानों पर सरकार में काम करने के लिए नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सभी तीन हजार युवाओं को बधाई दी। श्री मोदी ने कहा कि इन युवाओं को पीडब्ल्यूडी, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, पशुपालन, जल शक्ति और शिक्षा-संस्कृति जैसे विभिन्न विभागों में सेवा करने का अवसर मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने इस दशक को 21वीं सदी में जम्मू-कश्मीर के इतिहास का सबसे अहम दशक बताते हुए कहा कि अब समय पुरानी चुनौतियों को पीछे छोड़कर नई संभावनाओं का पूरा लाभ उठाने का है। मुझे खुशी है जम्मू-कश्मीर के नौजवान अपने प्रदेश के विकास के लिए, जम्मू-कश्मीर के लोगों के विकास के लिए बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। श्री मोदी ने जोर देते हुए कहा कि यह हमारे युवा हैं जो जम्मू-कश्मीर में विकास की एक नई गाथा लिखेंगे।

महाराष्ट्र रोजगार मेला

केन्द्र सरकार ने राज्य के लिए 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को दी मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तीन नवंबर को वीडियो संदेश के माध्यम से महाराष्ट्र सरकार के रोजगार मेले को संबोधित किया। श्री मोदी ने कहा कि इतने कम समय में रोजगार मेले के आयोजन से स्पष्ट है कि महाराष्ट्र सरकार युवाओं को रोजगार देने की दिशा में दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। मुझे इस बात की भी खुशी है कि आने वाले समय में महाराष्ट्र में इस तरह के रोजगार मेलों का और विस्तार किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने दोहराया कि अमृत काल में देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य पर काम कर रहा है, जहां युवा अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि बदलते समय में नौकरियों का स्वरुप तेजी से बदल रहा है, सरकार भी विभिन्न प्रकार की नौकरियों के लगातार अवसर पैदा कर रही है।

श्री मोदी ने कहा कि मुद्रा योजना युवाओं को जमानत मुक्त ऋण दे रही है और 20 लाख करोड़ रुपये का ऋण पहले ही वितरित किया जा चुका है। इसी तरह, स्टार्ट-अप और एमएसएमई क्षेत्र को बड़े पैमाने पर सहायता दी जा रही है। महाराष्ट्र में युवाओं को इससे फायदा हुआ है।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार के प्रयासों की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रोजगार और स्वरोजगार के ये अवसर दलित-पिछड़े, आदिवासी, सामान्य वर्ग और महिलाओं को समान रूप से उपलब्ध हो रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि आज सरकार देश भर में बुनियादी ढांचे, सूचना प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में जो रिकॉर्ड निवेश कर रही है, उससे रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। महाराष्ट्र के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने बताया कि केन्द्र सरकार ने राज्य के लिए 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की लगभग 225 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

मुख्य बातें

- महाराष्ट्र सरकार युवाओं को रोजगार देने की दिशा में मजबूत संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है
- नौकरियों का स्वरुप तेजी से बदल रहा है और सरकार भी लगातार विभिन्न प्रकार की नौकरियों के अवसर पैदा कर रही है
- रोजगार और स्वरोजगार के अवसर दलित-पिछड़े, आदिवासी, सामान्य वर्ग और महिलाओं को समान रूप से उपलब्ध हो रहे हैं
- केन्द्र सरकार ने महाराष्ट्र के लिए 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की लगभग 225 परियोजनाओं को मंजूरी दी है ■

भाजपा सेवा भाव से काम करती है, कांग्रेस सत्ता का मेवा खाने के लिए काम करती है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश में भाजपा के विजय संकल्प अभियान के तहत कई जनसभाओं को संबोधित किया और प्रदेश की जनता से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रिवाज को बदलते हुए हिमाचल प्रदेश में एक बार पुनः पूर्ण बहुमत से डबल इंजन वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाने की अपील की

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2 नवंबर, 2022 को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में भाजपा के 'विजय संकल्प अभियान' के तहत आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 5 वर्षों में हमारी सरकार में लगभग 6,000 किमी ग्रामीण सड़कें बनी हैं। हिमाचल प्रदेश को वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिली है। कांग्रेस की सरकार में अटल टनल का काम भी बाधित हुआ, जबकि यह परियोजना श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी के कितने करीब थी, हम सब जानते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आने के बाद अटल टनल पर तेज गति से काम हुआ और पूरा होकर राष्ट्र को समर्पित हुआ। इसमें कोई दो राय नहीं है कि केंद्र में और हिमाचल प्रदेश में जब-जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई है तो विकास हुआ है, लेकिन जब-जब कांग्रेस की सरकार आई तो विकास कार्य बाधित हुआ है।

श्री नड्डा ने कहा कि जब भी केंद्र में कांग्रेस की सरकार रही है तो हिमाचल प्रदेश के हितों का हनन हुआ है। कांग्रेस की सरकार ने तो हिमाचल प्रदेश से विशेष राज्य का दर्जा तक हटा दिया था। इतना ही नहीं, स्पेशल स्टेटस के तहत केंद्रीय योजना में 90:10 के रेशियो को भी कांग्रेस की सरकार ने बदलकर 60:40 कर दिया था, वह भी तब जब केंद्र और हिमाचल प्रदेश, दोनों जगह कांग्रेस की सरकार थी। 2014 में जब श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने तो हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की वीरभद्र सरकार थी, उन्होंने कोई डिमांड भी नहीं की, लेकिन प्रधानमंत्रीजी ने पुनः हिमाचल प्रदेश का विशेष राज्य का दर्जा बहाल कर दिया और केन्द्रीय योजनाओं में 90:10 का फ़ॉर्मूला भी पुनः लागू कर दिया। इससे हिमाचल प्रदेश पर वित्तीय बोझ भी कम हुआ है, जिसका सीधा लाभ राज्य के गरीबों और किसानों को मिल रहा है।

सलूणी और झलेड़ा

श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 3 नवंबर, 2022 को आम आदमी पार्टी पर जोरदार निशाना साधते हुए कहा कि एक पार्टी (आम आदमी पार्टी) यहां राजनीतिक पर्यटन के लिए आई, लेकिन चुनाव का आगाज होने से पहले ही आत्मसमर्पण करते हुए यहां से चली भी गई। क्रीज पर टिकी ही नहीं। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्योंकि दिल्ली और पंजाब यहां से नजदीक है। हिमाचल की जनता को उनकी हकीकत

समय रहते ही पता चल गई। हिमाचल की जनता जागरूक है और उन्हें मालूम है कि जो पार्टी दिल्ली और पंजाब की सत्ता में बैठी है, वह छल-कपट वाली पार्टी है। उस पार्टी को समझ में आ गया कि हिमाचल में उनकी दाल नहीं गलेगी, इसलिए वे दिल्ली से दूर गुजरात चले गए, लेकिन वहां भी उनकी करारी हार होगी और उनकी उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड वाली दुर्दशा होगी।

कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस मतलब करप्शन और कमीशन। करप्शन, कमीशन और कांग्रेस एक-दूसरे के पर्यायवाची हैं। भारतीय जनता पार्टी सेवा भाव से काम करती है, कांग्रेस सत्ता का मेवा खाने के लिए काम करती है। कांग्रेस में ऊपर से नीचे तक सारे के सारे या तो जेल जाने को तैयार हैं या फिर बेल पर बाहर हैं। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और यहां के हिमाचल कांग्रेस के विधायक विक्रमादित्य भी बेल पर हैं।

संधोल

श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 4 नवंबर, 2022 को डबल इंजन की सरकार में हिमाचल प्रदेश के हुए विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि बिलासपुर में 1500 करोड़ रुपये की लागत से एम्स का निर्माण हुआ है। एम्स के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में 6 नए मेडिकल कॉलेज बने हैं। बिलासपुर हॉस्पिटल में ट्रॉमा सेंटर, मातृ और बाल केयर सेंटर बना है। ऊना में लगभग 2,000 करोड़ रुपये की लागत से बल्क ड्रग पार्क बन रहा है। नालागढ़ में मेडिकल डिवाइस पार्क का निर्माण हो रहा है। जब श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो कोल

डैम पर काम हुआ। 'जल जीवन मिशन' के तहत 90 प्रतिशत से अधिक घरों को जोड़ा जा चुका है। पिछले 5 वर्षों में हमारी सरकार में लगभग 6,000 किमी ग्रामीण सड़कें बनी हैं। हिमाचल प्रदेश को वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिली है। आयुष्मान भारत और हिमकेयर योजना से हिमाचल के हर परिवार को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच मिला है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और मुख्यमंत्री गृहिणी सुविधा योजना से मातृ सशक्तीकरण की नींव पड़ी है। पीएम किसान सम्मान निधि से किसानों को संबल मिला है।

बैहना जट्टां, नौवा राजपुरा एवं पटवारखाना कोटला

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 5 नवंबर, 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की भाजपा सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश में हुए विकास कार्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार में विकास भी डबल स्पीड से हुआ है और जन-कल्याण भी दोगुने रफ़्तार से हुआ है। एक ओर श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को क्रियान्वित किया, तो दूसरी ओर प्रदेश की जयराम ठाकुर सरकार ने मुख्यमंत्री गृहिणी सुरक्षा योजना से महिला सशक्तीकरण के अभियान को और मजबूत किया।

लोअर बाजार, द मॉल एवं मेन बाजार

श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 6 नवंबर, 2022 को शिमला के लोअर बाजार, द मॉल और सोलन के मेन बाजार में जनसंपर्क किया और लोगों से भाजपा के पक्ष में भारी मतदान करने की अपील की।

रामपुर, कोटखाई और रोहड़ू

श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 7 नवंबर, 2022 को हिमाचल प्रदेश में डबल इंजन वाली सरकार में हुए विकास कार्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत देश भर में जहां लगभग 12 करोड़ शौचालय बने, वहीं हिमाचल प्रदेश में भी लगभग दो लाख शौचालयों का निर्माण हुआ। देश भर में जहां 9 करोड़ महिलाओं को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन मिला, वहीं हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री गृहिणी सुविधा योजना से भी लाखों महिलाओं को अलग से गैस का कनेक्शन और सिलिंडर मिला। पीएम आवास योजना के तहत लगभग गरीबों के लिए तीन करोड़ पक्के मकान बने हैं, जिसमें से लगभग 28,000 घर हिमाचल प्रदेश में भी बना है। देश के लगभग 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत का स्वास्थ्य बीमा कवच मिला तो इस योजना से हिमाचल में लगभग 4.70 लाख परिवार भी लाभान्वित हुए। भाजपा की जयराम ठाकुर सरकार ने हिमाचल प्रदेश में अलग से हिमकेयर

एक ओर श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को क्रियान्वित किया, तो दूसरी ओर प्रदेश की जयराम ठाकुर सरकार ने मुख्यमंत्री गृहिणी सुरक्षा योजना से महिला सशक्तीकरण के अभियान को और मजबूत किया

योजना शुरू कर बाकी बचे हुए परिवारों को भी मुफ्त स्वास्थ्य बीमा का कवच दिया। कोरोना काल से लेकर अब तक देश के लगभग 80 करोड़ लोगों को पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत हर महीने 5-5 किलो राशन मुफ्त उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना से हिमाचल प्रदेश में भी 20 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्रीजी ने 11,000 करोड़ रुपये की लागत से हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया है। आज हिमाचल के लगभग 94 प्रतिशत घरों को टैप वाटर कनेक्शन से जोड़ा जा चुका है।

काजा, मनाली और कुल्लू

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 30 अक्टूबर, 2022 को कहा कि प्रधानमंत्रीजी ने हिमाचल प्रदेश में लगभग 2000 करोड़ रुपये की लागत से ड्रग पार्क का शिलान्यास किया है। दिल्ली जाने के लिए वंदे भारत ट्रेन भी अब हिमाचल प्रदेश से कनेक्ट हो गई है। हिमाचल प्रदेश में कई उच्च शिक्षण संस्थानों का निर्माण हो रहा है। बिलासपुर में लगभग 1500 करोड़ रुपये की लागत से एम्स बना है। लगभग 11 हजार करोड़ रुपये की परियोजना पर हाल ही में एमओयू साइन हुआ है। 392 करोड़ रुपये की लागत से सिरमौर में आईआईएम खुल रहा है। हाटी समुदाय को जनजाति दर्जा दिया गया है। कई हाइड्रो प्रोजेक्ट और वाटर स्पोर्ट्स के सेंटर बन रहे हैं। प्रदेश में नेशनल हाइवे बन रहा है, फोर लेन सड़कें बन रही हैं। पुराने जमाने में सड़कों की यात्रा करने पर हिचकोले खाते थे, अब तो बाईपास पर गाड़ी ऐसे निकती है मानो तैर रही है। यह फर्क इसलिए आया है, क्योंकि यहां डबल इंजन की सरकार है। 12 नवंबर को आप सब सबसे पहले घर से निकल कर मतदान करें, कमल का बटन दबाएं और हिमाचल प्रदेश का विकास सुनिश्चित करें। ■

विजय संकल्प अभियान : सुंदर नगर और सोलन

हिमाचल में तेज विकास जरूरी है, स्थिर सरकार जरूरी है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 नवंबर, 2022 को हिमाचल प्रदेश के सुंदर नगर और सोलन में भाजपा के विजय संकल्प अभियान के तहत आयोजित दो विशाल जनसभाओं को संबोधित किया और हिमाचल प्रदेश की जनता से प्रदेश के विकास के लिए एक बार पुनः भाजपा को ऐतिहासिक विजय दिलाने की अपील की।

श्री मोदी द्वारा दिए गए भाषण के प्रमुख बिंदुः

- इस बार का हिमाचल प्रदेश का विधानसभा चुनाव बहुत खास है। इस बार 12 नवंबर को पड़ने वाला एक-एक वोट, हिमाचल प्रदेश के अगले 25 साल की विकास यात्रा तय करेगा। हिमाचल प्रदेश की जनता ने पूरे देश को संदेश दे दिया है— "हिमाचल में एक बार फिर डबल इंजन सरकार। हिमाचल में एक बार फिर भाजपा सरकार।''
- अमृतकाल के इन वर्षों में हिमाचल में तेज विकास जरूरी है, स्थिर सरकार जरूरी है। मुझे खुशी है कि हिमाचल की जनता, यहां के युवा, यहां की माताएं-बहनें इस बात को अच्छी तरह समझ रही हैं। वे जानते हैं कि भाजपा मतलब स्थिरता, भाजपा मतलब सेवा भाव, भाजपा मतलब नीतियों में स्थायी भाव और भाजपा मतलब विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता।
- हिमाचल प्रदेश की जनता जानती है कि— कांग्रेस मतलब भ्रष्टाचार की गारंटी। कांग्रेस मतलब स्वार्थ भरी राजनीति की गारंटी। कांग्रेस के लिए सरकार में आना और सरकार में रहना, राजपाट चलाने जैसा ही रहा है। हिमाचल प्रदेश में, पहाड़ी राज्यों में तो कांग्रेस दशकों तक तरसाओ, लटकाओ और भटकाओ की नीति पर ही चली है।
- 50 साल से ज्यादा हो गए जब कांग्रेस ने गरीबी हटाओ की बात कही थी, ये वादा किया था कि कांग्रेस पूरे देश से गरीबी हटा देगी। चुनाव होते गए, गरीबी हटाओ का नारा देकर कांग्रेस सरकार बनाती गई, लेकिन देश से गरीबी नहीं हटी। झूठे वायदे करना और झूठी गारंटी देना, कांग्रेस की पुरानी तरकीब रही है।
- किसानों को कर्जमाफी के नाम पर कांग्रेस किस तरह झूठ बोलती आ रही है, इसका भी गवाह पूरा देश रहा है। कांग्रेस का इतिहास हमेशा किसानों को धोखा देने का रहा है। कांग्रेस ने कभी देश के छोटे किसानों की परवाह नहीं की। भाजपा सरकार छोटे किसानों की हर जरूरत को ध्यान में रखते हुए काम कर रही है। पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से हिमाचल के किसानों के बैंक खातों में बिना किसी बिचौलिए के हजारों करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए हैं।
- भारतीय जनता पार्टी का काम भी पक्का है और इरादा भी पक्का है जबकि कांग्रेस में अनिश्चितता है, अनिर्णय है, अराजकता है। भाजपा जो संकल्प लेती है, उसकी सिद्धि करके दिखाती है। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने का संकल्प लिया, उसे सिद्ध करके दिखाया। भाजपा ने राम मंदिर निर्माण का संकल्प लिया, आज अयोध्या में इतना भव्य राम मंदिर बन रहा है।
- कांग्रेस 40 साल से देश के फौजियों को ये वादा करती आ रही थी कि वन रैंक वन-पेंशन लागू करेंगे, लेकिन इतने वर्षों तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार रहने के बावजूद उसने कुछ नहीं किया। आजादी के बाद देश का पहला घोटाला कांग्रेस की सरकार में रक्षा क्षेत्र में ही हुआ था। तब से लेकर जब तक कांग्रेस की सरकार रही, तब तक उसने रक्षा सौदों में जमकर दलाली खाई, हजारों करोड़ के घोटाले किए। वह सेना के लिए हर खरीद में कमीशन चाहती थी, अपने नेताओं की तिजोरी भरना चाहती थी। कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि देश रक्षा साजो-सामान के मामले में आत्मनिर्भर बने।
- दो-तीन सप्ताह पहले जब मैं केदारनाथ जी में था, तो जो चोला-डोरा मैंने पहना था, वो मुझे हिमाचल की एक बहन ने ही भेंट किया था। तब मैंने उस बहन से कहा भी था कि किसी ठंडी वाली जगह पर जाऊंगा तो वो पोशाक पहनकर जाऊंगा।
- पिछली बार जब मैं शिमला आया था तो पहाड़ की एक बिटिया ने मुझे एक तस्वीर भेंट की थी। जब मैंने उस तस्वीर को देखा तो अपनी मां के साथ ही हिमाचल के गांवों-कस्बों की हजारों माताओं-बहनों का स्मरण हो आया। वो तस्वीर मेरी मां की थी।
- हिमाचल प्रदेश से मेरा विशेष लगाव रहा है। सुंदरनगर, सोलन- सब जगह मेरा पहले भी बहुत बार आना हुआ है। मैंने निहरी की चढ़ाई भी चढ़ी है और सराज, कुल्लू, किन्नौर, चंबा और कांगड़ा के दुर्गम क्षेत्र भी पैदल नापे हैं। यहां के रास्ते, झील, कोई कैसे भूल सकता है!
- मैं आज सुबह जब आप लोगों से मिलने आ रहा था, तभी मुझे स्वतंत्र भारत के पहले मतदाता और कल्पा-किन्नौर के रहनेवाले श्याम सरन नेगी जी के दुःखद निधन की भी खबर मिली। 106 वर्षीय नेगी जी ने अपने जीवन में 30 से ज्यादा बार मतदान किया था। मैं उनके निधन से काफी दुःखी हूं। ■

जयराम ठाकुर सरकार ने हिमाचल प्रदेश में विकास के एक नए दौर की शुरुआत की है: अमित शाह

हिमाचल प्रदेश में 'विजय संकल्प अभियान' के तहत केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने अनेक जनसभाओं को संबोधित कर प्रदेश की जनता से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक बार पुनः डबल इंजन वाली विकास के प्रति समर्पित भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की अपील की

भटियात (चंबा), करसोग (मंडी) और कुसुम्पटी (शिमला)

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 1 नवंबर, 2022 को कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन वाली जयराम ठाकुर सरकार ने हिमाचल प्रदेश में विकास के एक नए दौर की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि आप हमारे नेताओं के भाषण देखिये— हर भाषण में गरीबों के लिए घर, पानी, बिजली, रेल, सड़क, स्वास्थ्य सहित विकास कार्यों की बातें होगी जबकि किसी भी कांग्रेसी नेता का भाषण देखिये, उनके पास कहने के लिए एक ही बात होती है कि हिमाचल में तो रिवाज है— एक बार भाजपा, एक बार कांग्रेस। मैं हिमाचल प्रदेश की माताओं-बहनों से निवेदन करना चाहता हूं कि आप भाजपा के पक्ष में इस तरह मतदान कर रिवाज को बदल दीजिये कि अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेसी नेताओं के पास कहने के लिए ये बात भी न रहे। इस बार के विधान सभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश में आप एक नया रिवाज बनाइये कि एक बार भाजपा, बार-बार भाजपा।

> प्रदेश के हर घर में शौचालय बना है, लगभग 7 लाख परिवारों को मुफ्त अनाज दिया गया है, लगभग 9.25 लाख किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिला है

श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस कोई राजनीति पार्टी है ही नहीं। केंद्र में भी कांग्रेस मां-बेटे की पार्टी बनकर रह गई है और हिमाचल प्रदेश में भी मां-बेटे की ही पार्टी है। मां-बेटे की पार्टी में युवाओं का, माताओं-बहनों का कोई स्थान नहीं है। माताओं-बहनों और युवाओं का किसी पार्टी में स्थान है तो वह भारतीय जनता पार्टी में है। श्रद्धेय अटलजी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने हिमाचल प्रदेश के लिए केंद्रीय योजनाओं हेतु 90:10 का रेशियो शुरू किया था। मतलब कि केंद्रीय योजनाओं में केंद्र 90 प्रतिशत राशि देती थी जबकि हिमाचल प्रदेश को केवल 10 प्रतिशत राशि ही देना होता था। कांग्रेस की यूपीए सरकार ने इसे हटाकर 60:40 का फ़ॉर्मूला लागू कर दिया। मतलब यह कि केंद्रीय योजनाओं में केंद्र महज 60 प्रतिशत राशि देने लगी, जबकि हिमाचल प्रदेश को 40 प्रतिशत हिस्सा देना होता था। कांग्रेस ने क्यों 90:10 के रेशियो का फ़ॉर्मूला हटाकर 60:40 का फ़ॉर्मूला लागू किया? आखिर हिमाचल प्रदेश के लोगों ने कांग्रेस का क्या बिगाड़ा था? केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार आते ही फिर से हिमाचल प्रदेश के लिए 90:10 का फ़ॉर्मूला लागू कर दिया।

नादौन (हमीरपुर), करसोग (धर्मशाला) और नालागढ़ (सोलन)

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 2 नवंबर, 2022 को कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की जयराम ठाकुर सरकार ने हिमाचल प्रदेश में विकास के कई काम किये हैं। हिमाचल प्रदेश के लगभग 4 लाख परिवारों को आयुष्मान भारत का कार्ड दिया गया है तो लगभग ढाई लाख और परिवारों को हिमकेयर योजना का भी लाभ मिला है। प्रदेश के हर घर में शौचालय बना है, लगभग 7 लाख परिवारों को मुफ्त अनाज दिया गया है, लगभग 9.25 लाख किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिला है, लगभग 8.76 लाख परिवारों में नल से जल पहुंचाया गया है, लगभग 1.40 लाख माताओं को मुफ्त गैस कनेक्शन दिया गया है, 28 हजार लोगों को पीएम आवास योजना के तहत पक्का मकान मिला है और पांच वर्षों में हिमाचल प्रदेश में लगभग 20 हजार किमी सड़कें बनी हैं, जिसमें लगभग 6,900 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग है।

नगरोटा, नकीखड्ड (जसवां प्रागपुर) और मैहतपुर (ऊना)

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 6 नवंबर, 2022 को हिमाचल प्रदेश के लिए भारतीय जनता पार्टी के संकल्पों को रेखांकित करते हुए श्री शाह ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में फिर से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी। सीमा पार से ड्रग्स और नशे के कारोबार के जरिए देश के नौजवानों को खोखला करने की जो साजिश रची जा रही है, उसे जड़-मूल से उखाड़ फेंकने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कटिबद्ध हैं। ■

भाजपा का संकल्प पत्र समाज में समानता लाने के लिए कटिबद्ध है : जगत प्रकाश नड्डा

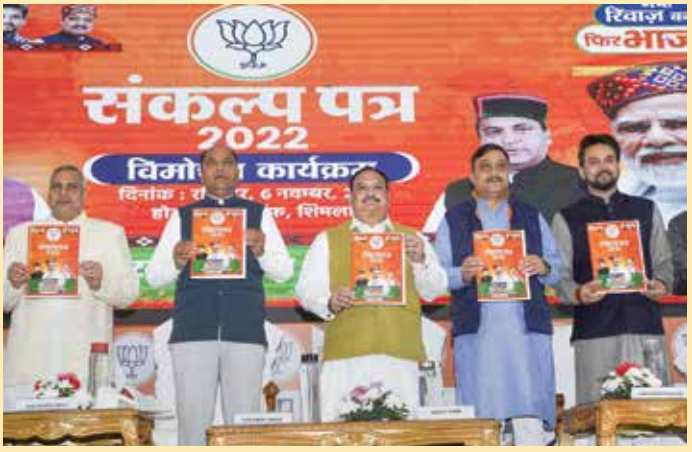

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 6 नवंबर, 2022 को शिमला में हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव हेतु भाजपा के संकल्प पत्र को जारी किया और कहा कि यह केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी है जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र महज घोषणापत्र नहीं है, बल्कि यह हिमाचल प्रदेश के विकास का हमारा रोडमैप है। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेश कश्यप, केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग ठाकुर सहित पार्टी के सभी सांसद, राज्य सरकार के मंत्रीगण, पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र समाज में समानता लाने के लिए कटिबद्ध है। हमने अपने संकल्प पत्र में 11 प्रतिबद्धताएं सूचीबद्ध की हैं और मिशन मोड में हम अगले पांच वर्षों में इसे पूरा करेंगे—

1. भाजपा सरकार हिमाचल प्रदेश में 'समान नागरिक संहिता' लागू करेगी। इसके लिए विशेषज्ञों की एक गठित की जायेगी और उनके रिपोर्ट के आधार पर यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड को लागू किया जाएगा।
2. भाजपा सरकार मुख्यमंत्री अन्नदाता सम्मान निधि की शुरुआत करेगी, जिसके अंतर्गत छोटे किसानों को सालाना 3000 रुपए की राशि दी जाएगी, जो प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत दिए जा रहे हैं 6000 रुपए के अतिरिक्त होगी। इससे हिमाचल प्रदेश के लगभग 9.83 लाख किसानों को लाभ होगा।
3. भाजपा सरकार चरणबद्ध तरीके से हिमाचल प्रदेश के युवाओं के लिए 8 लाख रोजगार के अवसरों का सृजन करेगी। सरकारी नौकरियों और इकॉनोमिक जोन में ये रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे।
4. भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि अगले 5 वर्षों में राज्य के सभी गांवों को प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत पक्की सड़कों यानी ऑल वेदर रोड से जोड़ा जाए। इस पर लगभग 5,000 करोड़ रुपये का खर्च आयेगा।
5. भाजपा सरकार शक्ति नाम का एक कार्यक्रम शुरू करेगी और 12000 रुपए का निवेश अगले 10 सालों में करेगी, जिसके माध्यम से सभी प्रमुख मंदिरों के आसपास परिवहन और भौतिक बुनियादी ढांचे को विकसित किया जाएगा। इन मंदिरों को प्रमुख शहरों से हिम सर्किट के माध्यम से विशेष बसों द्वारा जोड़ा जाएगा।
6. भाजपा सरकार सेब पैकेजिंग सामग्री पर किसानों द्वारा जीएसटी भुगतान को 12 प्रतिशत तक सीमित कर देगी। किसी भी प्रकार की अतिरिक्त जीएसटी लागत राज्य सरकार द्वारा वहन की जाएगी। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के लगभग 1.70 लाख किसानों को फायदा होगा।
7. भाजपा सरकार राज्य में पांच नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करेगी और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मोबाइल क्लीनिक की संख्या दोगुनी करेगी। इसमें रेगुलर हेल्थ चेक-अप की भी सुविधा उपलब्ध होगी।
8. भाजपा सरकार 900 करोड़ रुपये के कोष के साथ स्टार्टअप योजना स्थापित करेगी जिससे युवाओं के रोजगार सृजन हेतु स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा।
9. भाजपा सरकार हुतात्मा सम्मान राशि योजना के अंतर्गत विभिन्न परिस्थितियों में शहीद हुए हुतात्मा सैनिकों के आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी।
10. भाजपा सरकार कानून के अनुसार वक्फ संपत्तियों का सर्वे कराएगी और ऐसी संपत्तियों के अवैध उपयोग की जांच करने के लिए न्यायिक आयोग गठित करेगी।
11. भाजपा सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों के वेतन में विसंगतियों को दूर किया जाएगा।

श्री नड्डा ने कहा कि मातृ सशक्तीकरण के लिए अलग से एक संकल्प-पत्र जारी करने का निर्णय लिया गया, जिसे हमने स्त्री शक्ति संकल्प-पत्र का नाम दिया है। इसमें भी हमने 11 संकल्प लिए हैं-

शेष पृष्ठ ३१ पर...

रबी सीजन 2022-23 के लिए फॉस्फेट और पोटाश युक्त उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी को मिली मंजूरी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 51,875 करोड़ रुपये की सब्सिडी का अनुमोदन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने दो नवंबर को रबी सीजन 2022-23 (01 अक्टूबर, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक) के दौरान नाइट्रोजन (एन), फॉस्फोरस (पी), पोटाश (के), सल्फर (एस) जैसे विभिन्न पोषक तत्वों से युक्त फॉस्फेट और पोटास (पी एंड के) उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) की प्रति किलोग्राम दरों से सम्बन्धित उर्वरक विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। प्रति किलोग्राम दरों के लिए दी गयी मंजूरी निम्न हैः

वर्ष	रुपये प्रति किलोग्राम			
	नाइट्रोजन	फास्फोरस	पोटाश	सल्फर
रबी, 2022-23 (01 अक्टूबर, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक)	98.02	66.93	23.65	6.12

एनबीएस रबी-2022 (01 अक्टूबर, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक) के लिए मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित सब्सिडी का परिव्यय 51,875 करोड़ रुपये होगा, जिसमें माल ढुलाई सब्सिडी के माध्यम से स्वदेशी उर्वरक (एसएसपी) का समर्थन शामिल है।

लाभ

इससे रबी 2022-23 के दौरान सभी फॉस्फेट और पोटास उर्वरक रियायती/किफायती कीमतों पर किसानों को आसानी से उपलब्ध होंगे और इससे कृषि क्षेत्र को सहायता मिलेगी। उर्वरकों और कच्चे माल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में अस्थिरता के कारण हुई मूल्य वृद्धि को मुख्य रूप से केंद्र सरकार द्वारा वहन किया गया है।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार उर्वरक निर्माताओं/आयातकों के माध्यम से किसानों को रियायती मूल्य पर फॉस्फेट और पोटास उर्वरकों के लिए यूरिया और 25 ग्रेड उर्वरक उपलब्ध करा रही है। फॉस्फेट और पोटास उर्वरकों पर सब्सिडी, एनबीएस योजना द्वारा 01 अप्रैल, 2010 से शासित की जा रही है।

केंद्र सरकार अपने किसान हितैषी दृष्टिकोण के अनुरूप किसानों को सस्ती कीमतों पर फॉस्फेट और पोटास उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उर्वरकों और कच्चे माल यानी यूरिया, डीएपी, एमओपी और सल्फर की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी वृद्धि को देखते हुए सरकार ने डीएपी सहित फॉस्फेट और पोटास उर्वरकों पर सब्सिडी बढ़ाकर ऊंची कीमतों को वहन करने का निर्णय लिया है। उर्वरक कंपनियों को स्वीकृत दरों के अनुसार सब्सिडी जारी की जाएगी, ताकि वे किसानों को सस्ती कीमतों पर उर्वरक उपलब्ध करा सकें। ■

अक्टूबर, 2022 के दौरान सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,51,718 करोड़ रुपए रहा

लगातार आठ महीने से मासिक जीएसटी राजस्व 1.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक नवंबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार अक्टूबर, 2022 के महीने में एकत्र किया गया सकल जीएसटी राजस्व 1,51,718 करोड़ रुपए रहा, जिसमें से सीजीएसटी 26,039 करोड़ रुपए, एसजीएसटी 33,396 करोड़ रुपए, आईजीएसटी 81,778 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्रित 37,297 करोड़ रुपए सहित) और 10,505 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्रित 825 करोड़ रुपए सहित) उपकर है।

केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से 37,626 करोड़ रुपए सीजीएसटी के लिए और 32,883 करोड़ रुपए एसजीएसटी के लिए तय किए हैं। इसके अलावा, केंद्र ने केंद्र और राज्यों के बीच 50:50 के अनुपात में तदर्थ आधार पर 22,000 करोड़ रुपये का निपटान भी किया है। नियमित निपटान के बाद अक्टूबर, 2022 के महीने में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 74,665 करोड़ रुपए और एसजीएसटी के लिए 77,279 करोड़ रुपए है।

अक्टूबर, 2022 में राजस्व का दूसरा सबसे बड़ा मासिक संग्रह है, जो अप्रैल, 2022 के बाद दूसरी बार है जब सकल जीएसटी संग्रह 1.50 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया। अप्रैल, 2022 के बाद अक्टूबर में घरेलू लेनदेन से दूसरा सबसे बड़ा संग्रह देखा गया। यह नौवां महीना है और अब लगातार आठ महीने से मासिक जीएसटी राजस्व 1.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है। सितंबर, 2022 के महीने के दौरान 8.3 करोड़ ई-वे बिल सृजित हुए, जो अगस्त, 2022 में सृजित 7.7 करोड़ ई-वे बिल से काफी अधिक हैं।

मुख्य बातें

- अप्रैल, 2022 में संग्रह के बाद अब तक का दूसरा सबसे बड़ा राजस्व संग्रह
- लगातार आठ महीनों से मासिक जीएसटी राजस्व 1.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा, जीएसटी लागू होने के बाद से दूसरी बार 1.5 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया
- सितंबर, 2022 में 8.3 करोड़ ई-वे बिल सृजित हुए, जो अगस्त, 2022 में सृजित हुए 7.7 करोड़ ई-वे बिलों से काफी अधिक हैं ■

रेलवे ने चालू वित्त वर्ष में अक्टूबर, 2022 तक माल ढुलाई से 92,345 करोड़ रुपये की कमाई

भारतीय रेलवे ने मिशन मोड पर काम करते हुए चालू वित्त वर्ष 2022-23 के पहले सात महीनों में जो माल ढुलाई की है, वह पिछले साल की समान अवधि में हुई माल ढुलाई और इसके साथ ही इस दौरान अर्जित कमाई को भी पार कर गई है।

रेल मंत्रालय द्वारा एक नवंबर को जारी एक बयान के अनुसार अप्रैल-अक्टूबर, 2022 की अवधि के दौरान कुल मिलाकर 855.63 एमटी माल की ढुलाई की गई है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में हुई 786.2 एमटी की माल ढुलाई की तुलना में लगभग 9 प्रतिशत अधिक है।

रेलवे ने पिछले साल की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के 78,921 करोड़ रुपये के मुकाबले चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में 92,345 करोड़ रुपये कमाए हैं जो कि 17 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

> रेलवे ने पिछले साल की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के 78,921 करोड़ रुपये के मुकाबले चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में 92,345 करोड़ रुपये कमाए हैं जो कि 17 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है

अक्टूबर, 2022 के दौरान 118.94 एमटी की माल ढुलाई की गई है जो कि अक्टूबर, 2021 में हुई 117.34 एमटी की माल ढुलाई की तुलना में 1.4 प्रतिशत अधिक है। अक्टूबर, 2021 में अर्जित किए गए 12,313 करोड़ रुपये के माल ढुलाई राजस्व के मुकाबले अक्टूबर, 2022 में 13,353 करोड़ रुपये का माल ढुलाई राजस्व अर्जित किया गया है, जो कि पिछले वर्ष के समान माह की तुलना में 8 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

भारतीय रेलवे ने 'हंग्री फॉर कार्गो' के मूल मंत्र को अपनाते हुए कारोबार करने में और ज्यादा आसानी सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी कीमतों पर सेवा मुहैया कराने में भी अधिक आसानी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप पारंपरिक और गैर-पारंपरिक दोनों ही तरह के सामान से रेलवे में नया यातायात आ रहा है। ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण और व्यवसाय विकास इकाइयों के बढ़िया कामकाज के साथ-साथ प्रभावकारी नीति निर्माण से रेलवे को इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने में काफी मदद मिली है। ■

दूसरी तिमाही में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात 25 प्रतिशत बढ़कर 13,771 मिलियन डॉलर पहुंचा

प्रसंस्कृत फलों और सब्जियों के निर्यात में पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में चालू वित्त वर्ष के छह महीनों में 42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा दो नवंबर को जारी एक बयान के अनुसार कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में पिछले वित्त वर्ष (2021-22) की समान अवधि की तुलना में चालू वित्त वर्ष (2022-23) के छह महीनों (अप्रैल-सितंबर) के दौरान 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) का समग्र उत्पाद निर्यात अप्रैल-सितंबर 2022 के दौरान पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 11,056 मिलियन डॉलर की तुलना में बढ़कर 13,771 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

एपीडा के माध्यम से वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा की गई पहलों ने देश को चालू वित्त वर्ष के छह महीनों के भीतर ही वित्त वर्ष 2022-23 के लिए निर्धारित कुल निर्यात लक्ष्य का 58 प्रतिशत अर्जित करने में सहायता की है।

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एपीडा द्वारा कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद बास्केट 23.56 बिलियन डॉलर का निर्यात लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों के दौरान पहले ही 13.77 बिलियन डॉलर का निर्यात अर्जित कर लिया गया है।

उल्लेखनीय है कि प्रसंस्कृत फलों और सब्जियों के निर्यात ने 42.42 प्रतिशत (अप्रैल-सितंबर 2022 के दौरान) की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज कराई, जबकि ताजे फलों ने पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज कराई।

इसके अतिरिक्त, अनाज तथा विविध प्रसंस्कृत मदों जैसे प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों ने पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 29.36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कराई।

प्रसंस्कृत फलों और सब्जियों का निर्यात चालू वित्त वर्ष के छह महीनों के दौरान तेजी से बढ़कर 1024 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान यह 719 मिलियन डॉलर रहा था। ■

भारतीय सेना ने 'आत्मनिर्भरता' को प्रोत्साहन देते हुए पांच मेक-II परियोजनाओं को दी मंजूरी

भारतीय सेना स्वदेशी विकास के माध्यम से विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को लाने वाले 'मेक प्रोजेक्ट्स' को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए कार्य कर रही है। फिलहाल जारी परियोजनाओं को और बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना ने अब पांच मेक II परियोजनाओं के परियोजना स्वीकृति आदेश (पीएसओ) को मंजूरी दे दी। मेक II परियोजनाएं अनिवार्य रूप से उद्योग द्वारा वित्त पोषित परियोजनाएं हैं, जिनमें प्रोटोटाइप के विकास के लिए भारतीय विक्रेताओं द्वारा डिजाइन एवं विकसित किए गए अभिनव समाधान शामिल हैं। सफल प्रोटोटाइप विकास के बाद आदेश का आश्वासन दिया जाता है।

कुल 43 मेक II परियोजनाओं में से 22 अब प्रोटोटाइप विकास चरण में हैं, जो लागत के हिसाब से परियोजनाओं का 66% (27,000 करोड़ रुपये में से 18,000 करोड़ रुपये) है

रक्षा मंत्रालय द्वारा चार नवंबर को जारी एक बयान के अनुसार निम्नलिखित परियोजनाएं हैं जिनके पीएसओ को मंजूरी दी गई:

- **हाई फ्रीक्वेंसी मैन पैक्ड सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो (एचएफएसडीआर)**
- **ड्रोन किल सिस्टम**
- **इन्फैंट्री ट्रेनिंग वीपन सिम्युलेटर (आईडब्ल्यूटीएस)**
- **155 मिमी टर्मिनली गाइडेड मुनिशन (टीजीएम)**
- **मीडियम रेंज प्रिसिशन किल सिस्टम (एमआरपीकेएस)**

भारतीय सेना पहले से ही पूंजी अधिग्रहण की मेक II प्रक्रिया के तहत जारी 43 परियोजनाओं को आगे बढ़ा रही है। 43 में से 17 परियोजनाओं को उद्योग से प्राप्त स्व-प्रेरणा प्रस्तावों के माध्यम से शुरू किया गया है। मेक II खरीद योजना ने विभिन्न प्रकार की हथियार प्रणालियों, गोला-बारूद और आधुनिक प्रशिक्षण प्रणालियों, जो वर्तमान में देश में उपलब्ध नहीं हैं, में उच्च स्तरीय प्रौद्योगिकी प्रणालियों के स्वदेशीकरण की प्राप्ति हेतु रक्षा उद्योग में डिजाइन और विकास को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन दिया है। कुल 43 मेक II परियोजनाओं में से 22 अब प्रोटोटाइप विकास चरण में हैं, जो कि लागत के हिसाब से परियोजनाओं का 66% (27,000 करोड़ रुपये में से 18,000 करोड़ रुपये) है। ■

प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के तहत 1.33 लाख परियोजनाएं पूरीं

प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (पीएमकेकेकेवाई) के तहत मंजूर 2,52,995 परियोजनाओं में से 1,33,144 परियोजनाएं अब तक पूरी हो गईं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने खनन परिचालन वाले क्षेत्रों के प्रभावित लोगों को राहत के लिए जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) के कोष से पीएमकेकेकेवाई की शुरुआत की थी।

केंद्रीय खान मंत्रालय द्वारा सात नवंबर को जारी एक बयान के अनुसार इस साल सितंबर तक 63,534.07 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसमें से 37,422.94 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

ताजा आंकड़ों के अनुसार 23 राज्यों के 622 जिलों में डीएमएफ बनाया गया है। डीएमएफ की अवधारणा को खान एवं खनिज (विकास एवं नियमन) एमएमडीआर अधिनियम, 1957 में संशोधन के जरिये पेश किया गया था। डीएमएफ खनन से प्रभावित क्षेत्रों और लोगों के लाभ और हित में काम करता है। ■

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर के होलोंगी में स्थित ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का नामकरण 'डोनी पोलो हवाई अड्डा, ईटानगर' के रूप में करने को मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने दो नवंबर को ईटानगर के होलोंगी में स्थित ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का नामकरण 'डोनी पोलो हवाई अड्डा, ईटानगर' के रूप में करने को मंजूरी दे दी।

अरुणाचल प्रदेश की राज्य सरकार द्वारा इस हवाई अड्डे का नाम 'डोनी पोलो एयरपोर्ट, ईटानगर' रखने का प्रस्ताव पारित किया गया था, जोकि इस राज्य की परंपराओं एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक सूर्य (डोनी) और चंद्रमा (पोलो) के प्रति लोगों के सम्मान को दर्शाता है।

भारत सरकार ने जनवरी, 2019 में होलोंगी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के विकास के लिए 'सैद्धांतिक' स्वीकृति प्रदान की थी। इस परियोजना को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा केंद्र सरकार और अरुणाचल प्रदेश की राज्य सरकार के सहयोग से 646 करोड़ रुपये लागत से विकसित किया जा रहा है। ■

राष्ट्रीयता कभी मानवता विरोधी नहीं होती

पं. दीनदयाल उपाध्याय

गतांक का शेष...

राष्ट्र अपनी अभिव्यक्ति के लिए अनेक संस्थाएं बनाता है, उसमें राज्य भी एक है। सामान्य लोग राज्य और राष्ट्र में अंतर नहीं करते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ में राष्ट्रों के प्रतिनिधि नहीं तो राज्यों के प्रतिनिधि हैं। कारण यह है कि हर राष्ट्र का प्रतिनिधित्व भी राज्यों के द्वारा ही होता है। यह राज्य बना कैसे? एक समय ऐसा भी था, जब राज्य नहीं थे, सतयुग में राज्य नहीं था। बोल्शेविक भी वह कल्पना करते हैं कि राज्य नहीं रहेगा 'स्टेट विल विदर अवे'। छोटा उदाहरण है, सामान्यतया सड़क पर बायां चलने का नियम है। इसको मनवाने के लिए पुलिस की कोई आवश्यकता नहीं है, लेकिन यदि नियम भंग होने लगे और लोग टकराने लगें या भीड़ अधिक होने लगे तो पुलिस की आवश्यकता होती है।

पुराने जमाने में न कोई राज्य था, न कोई दंड देनेवाला यह सतयुग था, पर बाद में आलस्य प्रमाद आया, तब धर्मानुकूल चलना रुक गया, फिर समाज में जटिलता भी आई उस समय विकार को दूर करने के लिए, अपने लोग अपने धर्म का पालन करते रहे। इसके लिए और जटिलता को सुलझाने के लिए राज्य और राजा की जरूरत होती है। इससे अधिक राज्य का काम भी नहीं है। आज के कानून तो कई बार जटिलता को बढ़ाते हैं। अतः वे सही अर्थ में क़ानून नहीं हैं। राज्य आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए तथा बाहरी आक्रमण से रक्षा करने के लिए बनाए जाते हैं।

राज्यों का निर्माण राष्ट्रों द्वारा होता है। राज्य राष्ट्र का एक अंग (संस्था) है और भी अनेक संस्थाएं राष्ट्र की आवश्यकता के लिए बनती हैं। राज्य और संस्थाओं से अधिक शक्तिशाली होता है, क्योंकि राष्ट्र के प्रतिनिधित्व का अधिकार राज्य को ही मिलता है। जैसे वकील अपने मुवक्किल का प्रतिनिधित्व करता है। वह न्यायाधीश के सामने मैं शब्द का प्रयोग करता है, परंतु कभी-कभी गलती हो जाती है। वकील प्रतिनिधि के बजाय स्वयं मालिक बन जाता है, यह ग़लत है। इसी प्रकार कभी-कभी राज्य भी अपने अनुसार राष्ट्र को बदलने तथा दबाने का प्रयास करने

लगता है, तब गड़बड़ी होने लगती है।

आजकल राजनीति बहुत चलती है। कुछ लोग कहते हैं, सरकार को चाहिए कि संघ को राजनीतिक संस्था घोषित कर दे। आप सब संघ के स्वयंसेवक राजनीति में काम करते हैं, गुरुजी के भाषण भी राजनीति से परिपूर्ण होते हैं। एक कम्युनिस्ट अखबार ने लिखा कि संघ के लोगों ने सन् 1948 में अभिवचन दे दिया था कि हम राजनीति में भाग नहीं लेंगे, लेकिन अब लेने लगे हैं। अतः इन पर पुनः प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए।

वास्तव में तो हमने कभी कोई अभिवचन नहीं दिया है। हमने तो एक ही अभिवचन पू. डॉक्टरजी के समय में दिया है कि हमें केवल स्वराज्य ही नहीं चाहिए, लेकिन उसके साथ-साथ उसके मूल में जो राष्ट्र है, उस पर विचार करना आवश्यक है। अन्य लोग जब राज्य की ओर ध्यान दे रहे हैं, हमने राष्ट्र की ओर ध्यान दिया है।

कुछ लोगों ने कहा कि हमें अंग्रेजों से लड़ने के लिए सब लोगों को मिलाकर राष्ट्र बनाना चाहिए। उन्होंने यह नहीं सोचा, हमारा एक राष्ट्र तो यहां पहले से ही है। हमारा अपना राज्य नहीं है, उसको प्राप्त करना है। डॉक्टरजी ने यही सोचा कि राष्ट्र तो अपना है ही, राष्ट्रीय भावना का अभाव हो गया, 'हम' कमजोर हो गए। अतः यह राष्ट्रीयता का अलख जगाने का कार्य उन्होंने शुरू किया। देशभक्ति और स्वराज्य की भावना डॉक्टरजी में प्रारंभ से ही थी। पांच वर्ष की आयु में ही उन्होंने स्कूल में बंटनेवाली विदेशी राजा के राज्यारोहण की मिठाई नहीं खाई। नागपुर के किले पर जो यूनियन जैक फहराता था, उसे हटाने के लिए बचपन से ही उन्होंने अपने घर में से किले तक एक सुरंग खोदने का प्रयत्न किया। विदेशी राज्य को हटाने की कितनी उमंग थी उनमें, लेकिन उन्होंने कहा, 'स्वराज्य से पहले हम स्वराष्ट्र का चिंतन करें, इसके लिए कार्य करें।' अतः हमारा मुख्य कार्य राष्ट्र का कार्य है। राज्य रहेंगे और जाएंगे, इनमें परिवर्तन भी होंगे। पर राष्ट्र की कल्पनाओं में परिवर्तन नहीं किया जाता। हम चाहें तो संघ के नाम पर चुनाव लड़ सकते हैं। कौन सा क़ानून हमें रोक सकता है। न ऐसा कोई अभिवचन ही हमने दिया है। राजनीति से हम घबराते भी नहीं, हम तो राजनीति में इसलिए भाग नहीं लेते कि हमें राज्य से भी व्यापक और महत्वपूर्ण कार्य राष्ट्र का करना है। राज्य तो राष्ट्र का अंग मात्र है। हम राष्ट्र क़ायम करने को कटिबद्ध हैं।

एक मुनीमजी ने सेठजी की मृत्यु के बाद उनकी सारी संपत्ति को हड़पने की चेष्टा की। कुछ लोग एकत्र हुए। उन्हें समझाया, डराया न्याय और क़ानून का डर दिखाया, तब कहीं कठिनाई में उन्होंने संपत्ति छोड़ी। यह राज्य तो राष्ट्र का मुनीम है। मुनीम मालिक नहीं बन सकता। यदि वह मालिक बनने की चेष्टा करता है तो उसे रोकना हमारा कार्य हैं। हम मुनीम को मालिक नहीं बनने देंगे। मुनीम पर निगाह रखना हमारा काम है। इससे मुनीमजी नाराज होते हैं तो भी निगाह तो हमें रखनी ही पड़ेगी। मुनीमजी को हम मालिक नहीं बनने देंगे और यदि आवश्यक हुआ तो पहले मुनीम को हटाकर दूसरा मुनीम रख लेंगे।

देश में स्वराज्य चाहिए, यह आवश्यक है उसमें रुचि लेना स्वाभाविक है, पर हमारा मुख्य कार्य राष्ट्र में ताकत पैदा करना है। राष्ट्र में शक्ति रही तो सब ठीक होगी। राष्ट्र की प्रगति सर्वोपरि है।

देश में स्वराज्य चाहिए, यह आवश्यक है उसमें रुचि लेना स्वाभाविक है, पर हमारा मुख्य कार्य राष्ट्र में ताकत पैदा करना है। राष्ट्र में शक्ति रही तो सब ठीक होगी

स्वराज्य के तीन गुण बताए गए हैं—

1. राज्य उन लोगों के हाथ में हो, जो उसी राष्ट्र के हों।
2. राष्ट्र के हित में ही कार्य किया जाए।
3. उनमें कार्य करने का सामर्थ्य हो, उनकी निष्पत्ति उनके हाथ में हो।

आज कम्युनिस्ट चीन और रूस के हित तथा विचारधारा से कार्य करते हैं तो यह स्वराज्य नहीं कहा जा सकता। हमारे राज्य के पास जो सामर्थ्य होनी चाहिए, उसकी भी कमी है। अमरीका से गेहूं मिलने पर हमारे खाद्यान्न की पूर्ति होती है, हमारी योजनाओं को चलाने के लिए पैसा तथा मशीनें भी हम अमरीका से मंगवाते हैं, चीन और पाकिस्तान से युद्ध होता है तो हथियार भी अमरीका से मिले, तब हमारा काम चलता है। यह स्थिति उचित नहीं है। इसे हम स्वराज्य की कमी कहेंगे।

स्वराज्य के तीनों गुण तभी विकसित होंगे, जब राष्ट्र चैतन्य होगा। सामर्थ्यशाली होगा। संघ इसी शक्ति की उपासना में लगा है। इस सामर्थ्य को पैदा करना हमारा कार्य है। इसकी साधना में रत रहें और राष्ट्र को शक्तिशाली बनाएं, इसी में राष्ट्र की आत्मा का विकास है। ■

-संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग: मई 27, 1967

पृष्ठ 16 का शेष...

1. हिमाचल प्रदेश में बननेवाली डबल इंजन वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार बीपीएल परिवारों की लड़कियों के लिए वित्तीय सहायता को मौजूदा 31,000 रुपए से 51,000 रुपए तक बढ़ाकर मुख्यमंत्री शगुन योजना का विस्तार करेगी।
2. भाजपा सरकार छठी से 12वीं कक्षा तक की स्कूल की छात्राओं को साइकिल और उच्च शिक्षा प्राप्त करनेवाली लड़कियों को स्कूटी उपलब्ध कराएगी।
3. हिमाचल प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार 500 करोड़ रुपए का एक विशेष कोष स्थापित करेगी, जिसके माध्यम से महिला उद्यमियों हेतु होमस्टे स्थापित करने के लिए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। प्रदेश की भाजपा सरकार महिला स्वयं सहायता समूह को दिए जाने वाले ऋणों की ऊपरी सीमा को बढ़ाकर उन्हें सशक्त बनाएगी और उन्हें दिए जाने वाले ऋण पर लगने वाले ब्याज दर को घटाकर 2 प्रतिशत करेगी।
4. हिमाचल प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार मां और बच्चे के उचित स्वास्थ्य और देखभाल को सुनिश्चित करने के लिए गर्भवती महिलाओं को 25000 रुपए की सहयोग राशि प्रदान करेगी।
5. भाजपा सरकार एक नई देवी अन्नपूर्णा योजना के माध्यम से राज्य में गरीब परिवारों की महिलाओं को हर वर्ष तीन मुफ्त रसोई गैस सिलिंडर प्रदान करेगी।
6. हिमाचल प्रदेश में बनने वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार 'अटल पेंशन योजना' में गरीब परिवारों की 30 वर्ष से अधिक आयु की सभी महिलाओं को सम्मिलित करेगी।
7. भाजपा सरकार सरकारी स्कूलों की 12वीं कक्षा में शीर्ष 5000 रैंक वाली छात्राओं को उनके स्नातक तक की पढ़ाई के दौरान 2500 रुपए प्रति माह की छात्रवृत्ति राशि प्रदान करेगी।
8. भाजपा सरकार राज्य के ग्रामीण महिलाओं के लिए उचित मूल्य की दुकान के माध्यम से उनके पशुधन हेतु गुणवत्तापूर्ण चारे की खरीद और वितरण को आसान बनाने के लिए एक प्रणाली स्थापित करेगी।
9. हिमाचल प्रदेश की भाजपा सरकार सभी महिलाओं को ऐसी बीमारियों की जांच और इलाज के लिए जो वर्तमान में हिम केयर कार्ड में कवर नहीं है, उसे स्त्री शक्ति कार्ड के माध्यम से कवरेज प्रदान करेगी।
10. भारतीय जनता पार्टी सरकार राज्य के सभी 12 जिलों में से प्रत्येक में दो बालिका छात्रावासों का निर्माण करेगी, जो कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली लड़कियों को समर्पित होगी।
11. भाजपा सरकार राज्य के सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण भी सुनिश्चित करेगी। ■

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

एस मधुमंगोल शर्मा
(22 अक्टूबर, 1938 —11 फरवरी, 1995)
सक्रिय वर्ष: 1965-1995
स्थान : राज्य
जिला : मणिपुर, इंफाल पश्चिम

एस. मधुमंगोल शर्मा– निःस्वार्थ सेवा की कहानी

एक अच्छी शैक्षिक पृष्ठभूमि से आने वाले श्री एस. मधुमंगोल शर्मा ने 12 वर्ष की आयु में ही विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेना और उनके प्रति उत्साह विकसित कर लिया था। उन्होंने सतसंघ केंद्र, कीशमथोंग टॉप लीराक, इम्फाल में श्री योगेंद्रजीत सिंह के मार्गदर्शन में सतसंघ कार्यक्रम में भाग लिया। 1965 में वह संघ प्रचारक श्री भास्कर कुलकर्णी के संपर्क में आए और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बन गए। उन्होंने असम में प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष का प्रशिक्षण लिया और तृतीय वर्ष का प्रशिक्षण नागपुर जाकर पूरा किया।

वे 1969 में एकनाथ रानाडे के नेतृत्व में विवेकानंद रॉक मेमोरियल कमेटी, कन्याकुमारी के संगठन मंत्री बने और कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल के निर्माण के लिए जागरूकता और फंड जुटाने के अभियान में शामिल हुए। उन्होंने मणिपुर प्रदेश में संघ गतिविधियों का विस्तार करने के लिए माननीय सदाशिव गोलवलकर (श्रीगुरुजी), माननीय बालासाहेब देवरस, माननीय रज्जू भैया और माननीय सुदर्शनजी के मार्गदर्शन में काम किया और बाद में वे मणिपुर विभाग के कार्यवाह बन गए।

आपातकाल (1975-1977) की अवधि के दौरान जब बड़ी संख्या में संघ स्वयंसेवकों को मीसा कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था, तब श्री एस. मधुमंगोल शर्मा को भी मीसा के तहत मणिपुर सेंट्रल जेल में 19 महीने बिताने पड़े।

1977 में आपातकाल हटाए जाने के बाद मणिपुर में जनता पार्टी की सरकार बनी। ऐसा कहा जाता है कि श्री एस. मधुमंगोल शर्मा मणिपुर में जनता पार्टी सरकार के गठन के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे।

1984 में उन्होंने मणिपुर से भाजपा प्रत्याशी के तौर पर पहला लोकसभा चुनाव लड़ा और कुल 30 प्रतिशत मत हासिल किये। यह वह दौर था, जब भाजपा मणिपुर में अपने विस्तार के प्रारंभिक चरण में थी। उन्होंने मणिपुर में भाजपा के विस्तार के लिए मणिपुर घाटी और पहाड़ियों इलाकों का व्यापक प्रवास किया।

श्री शर्मा 1984 से 1991 तक मणिपुर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे और उन्होंने लगातार तीन बार राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के रूप में भी कार्य किया। वह भाजपा के उत्तर-पूर्वी प्रदेशों के समन्वयक भी रहे। कांग्रेस के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार की दमनकारी और जनविरोधी नीतियां प्रदेश में उग्रवाद के उदय के लिए पूरी तरह जिम्मेदार थीं। उस समय, जबरन वसूली और निर्दोष लोगों की हत्या के साथ भारत विरोधी आंदोलन अपने चरम पर था। इस दौर में श्री एस. मधुमंगोल शर्मा संघ और भाजपा की विचारधाराओं के माध्यम से देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रचार करने के लिए आगे आए।

जबरन वसूली और निर्दोष लोगों की हत्या को रोकने के लिए निडर होकर काम करने के कारण उन्हें उग्रवादियों द्वारा लगातार धमकी दी जा रही थी। परिणामस्वरूप, वह उनके निशाने पर आ गये, क्योंकि वह उग्रवादियों के लिए लगातार बाधा उत्पन्न कर रहे थे। इसलिए 11 फरवरी, 1995 को सुबह 7.30 बजे दो उग्रवादी उसके घर आए और उन्होंने करीब 12 गोलियां उन पर दागीं। जिसमें से एक गोली उनकी शर्ट की जेब में रखी एकात्म मानववाद की पुस्तक को भेदती हुई उन्हें लगी। वह भगवद् गीता भी अपने पास रखते थे।

भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालकृष्ण आडवाणी ने 15 फरवरी, 1993 को उनके घर का प्रवास किया और उन्हें 'शहीद' की उपाधि दी, क्योंकि उन्होंने मातृभूमि के लिए अपने जीवन का त्याग किया था।

वह मणिपुर से खनन और भूविज्ञान में इंजीनियरिंग के पहले स्नातक थे। वह गीता मंडल, कल्याण आश्रम, विद्या भारती, विवेकानंद केंद्र जैसे कई संस्थानों और संगठनों से जुड़े थे और उन्होंने विषय विशेषज्ञ के तौर पर कई प्रदेश स्तरीय सम्मेलनों में भाग लिया। उन्होंने श्रीमद्भागवत गीता के दार्शनिक निहितार्थ के अपने प्रवचन से सभी आयु वर्ग के लोगों का दिल जीता। एक सच्चे स्वयंसेवक के रूप में उन्होंने अपनी अंतिम सांस तक मणिपुर के लोगों की सेवा करते हुए अपना जीवन त्याग दिया। उन्होंने मणिपुर सरकार के उद्योग विभाग के अतिरिक्त निदेशक के पद से केवल इसलिए इस्तीफा दे दिया, ताकि वह पूरे दिल से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं भाजपा की गतिविधियों को अपना समय दे सकें। उन्होंने बड़े पैमाने पर मणिपुर में युवाओं, स्थानीय क्लबों आदि के बीच स्वामी विवेकानंद के संदेश को फैलाने के लिए काम किया। ■

मोदी स्टोरी

कारगिल युद्ध के शहीदों को नरेन्द्र मोदी की श्रद्धांजलि

असीम अहलूवालिया

भाजपा नेता, हिमाचल प्रदेश

कारगिल की अपनी हालिया यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जवानों को अपने परिवार के रूप में संबोधित किया और कहा कि उन्हें उनके साथ दिवाली मनाने का सौभाग्य मिला है। 2014 में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से श्री नरेन्द्र मोदी रोशनी के त्योहार को मनाने और जवानों के साथ देश की एकजुटता व्यक्त करने के लिए विभिन्न सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करते आये हैं।

हालांकि, भारतीय सेना के प्रति उनके समर्पण की जड़ें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रचारक के रूप में शामिल होने से पहले ही उनके शुरुआती दिनों से चली आ रही हैं। उनके जीवन की कई घटनाएं ऐसी हैं जब श्री मोदी ने अपने कार्यों के माध्यम से भारतीय सेना के प्रति अपना आभार व्यक्त किया है, लेकिन कारगिल युद्ध के दौरान एक विशेष क्षण आया, जो ध्यान देने योग्य है।

1999 के कारगिल युद्ध के दौरान श्री नरेन्द्र मोदी हिमाचल प्रदेश में पार्टी के प्रदेश प्रभारी के रूप में कार्यरत थे। उस युद्ध में हिमाचल के 52 जवान शहीद हुए थे। ऐसे में श्री नरेन्द्र मोदी ने शहीदों की स्मृति में एक स्मारिका प्रकाशित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने का विचार रखा।

हिमाचल प्रदेश के भाजपा नेता श्री असीम अहलूवालिया इस घटना के बारे में बताते हैं कि कैसे श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कार्यकर्ताओं को जवानों को विशेष श्रद्धांजलि देने के लिए प्रेरित किया। श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री असीम अहलूवालिया के साथ युद्ध में शहीद हुए सभी जवानों की विस्तृत जीवनी के साथ एक स्मारिका प्रकाशित करने का अपना विचार साझा किया। उनके विचार पर अमल करने के लिए भाजपा की हिमाचल इकाई तेजी से सक्रिय हुई।

युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को शहीद जवानों के बारे में सारी जानकारी जुटाने की जिम्मेदारी दी गई। श्री नरेन्द्र मोदी ने पहले ही सुझाव दिया था कि हिमाचल में भाजपा की सरकार होने के बावजूद स्मारिका के प्रकाशन के लिए किसी भी सरकारी निकाय से एक पैसा भी नहीं लिया जाए।

श्री असीम अहलूवालिया याद करते हैं कि श्री मोदी के मार्गदर्शन में श्री जयराम ठाकुर और उन्होंने स्वयं शहीद सैनिकों की स्मृति में स्मारिका पर काम किया और उसे प्रकाशित किया।

स्मारिका में सैनिकों को श्रद्धांजलि देने और उनके परिवार के सदस्यों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लिखी गई एक कविता को भी शामिल किया गया था।

बाद में हिमाचल में आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में स्मारिका का वितरण किया गया और वरिष्ठ नेताओं द्वारा सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की गई। ■

प्रधानमंत्री ने यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से की बात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 अक्टूबर को श्री ऋषि सुनक से बात की और उन्हें यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने पर बधाई दी। एक ट्वीट में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज ऋषि सुनक से बात करके खुशी हुई। यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने पर उन्हें बधाई दी। हम अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत करने की दिशा में मिलकर काम करेंगे। हम एक व्यापक एवं संतुलित एफटीए को शीघ्र पूरा करने के महत्व पर भी सहमत हुए। ■

'आज अयोध्या नगरी भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के स्वर्णिम अध्याय का प्रतिबिंब है'

दीपावली की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भव्य दीपोत्सव समारोह की शुरुआत की। श्री मोदी ने भव्य म्यूजिकल लेज़र शो के साथ-साथ सरयू नदी के तट पर राम की पैड़ी में 3-डी होलोग्राफिक प्रोजेक्शन मैपिंग शो भी देखा।

प्रधानमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र स्थल का निरीक्षण किया

दीपावली की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश में अयोध्या का दौरा किया और भगवान श्री रामलला विराजमान के दर्शन किये तथा उनकी पूजा-अर्चना की। श्री मोदी ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर स्थल पर पवित्र परियोजना से जुड़े श्रमजीवियों तथा अन्य लोगों से बातचीत भी की।

उल्लेखनीय है कि इस छठे दीपोत्सव का यह पहला अवसर है, जब प्रधानमंत्री व्यक्तिगत रूप से इस समारोह का हिस्सा बने। इस अवसर पर 15 लाख से अधिक दीये जलाए गए और विभिन्न राज्यों के विभिन्न नृत्य रूपों के साथ 5 एनिमेटेड झांकियां और 11 रामलीला झांकियां प्रदर्शित की गईं।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान राम की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि आज अयोध्या जी दीपों से दिव्य हैं और भावनाओं से भव्य हैं। श्री मोदी ने टिप्पणी की कि आज अयोध्या नगरी भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के स्वर्णिम अध्याय का प्रतिबिंब है।

उन्होंने कहा कि जब वे पहले यहां राज्यभिषेक के लिए आए थे, तो उनके अंदर भावनाओं की लहरें दौड़ रही थीं। श्री मोदी ने इस बात पर प्रशंसावश आश्चर्य व्यक्त किया कि जब भगवान श्री राम 14 वर्ष के वनवास के बाद लौटे होंगे, तो अयोध्या को किस प्रकार सजाया गया होगा। उन्होंने टिप्पणी की कि आज इस अमृत काल में भगवान राम के आशीर्वाद से हम अयोध्या की दिव्यता और अमरता के साक्षी बन रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दीपावली के ये दीपक भारत के आदर्शों, मूल्यों और दर्शन के जीवंत ऊर्जापुंज हैं। ज्योतियों की ये जगमग और प्रकाश का ये प्रभाव भारत के मूल मंत्र 'सत्यमेव जयते' की उद्घोषणा है।

भगवान श्री राम के प्रतीक स्वरूप का राज्याभिषेक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 अक्टूबर को अयोध्या में भगवान श्रीराम के प्रतीक स्वरूप का राज्याभिषेक किया। श्री मोदी ने सरयू नदी के न्यू घाट पर आरती में भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री ने संतों से भी मुलाकात की और उनसे बातचीत की।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि श्रीरामलला के दर्शन और उसके बाद राजा राम का अभिषेक, यह सौभाग्य रामजी की कृपा से ही मिलता है। उन्होंने कहा कि जब श्रीराम का अभिषेक होता है, तो हमारे भीतर भगवान राम के आदर्श एवं मूल्य और दृढ़ हो जाते हैं। राम के अभिषेक के साथ ही उनका दिखाया पथ और प्रदीप्त हो उठता है। अयोध्या जी के कण-कण में हम उनके दर्शन को देखते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि अयोध्या की राम लीलाओं, सरयू आरती, दीपोत्सव और रामायण पर शोध व अध्ययन के माध्यम से यह दर्शन पूरे विश्व में फैल रहा है।

उन्होंने कहा कि भगवान राम ने अपने वचन में, अपने विचारों में, अपने शासन में, अपने प्रशासन में जिन मूल्यों को गढ़ा, वह 'सबका साथ, सबका विकास' की प्रेरणा है और 'सबका विश्वास, सबका प्रयास' का आधार है। ■

'नए भारत का निर्माण बोल्ड रिफॉर्म्स, बिग इंफ्रास्ट्रक्चर और बेस्ट टैलेंट से ही संभव है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राज्य के ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट 'इनवेस्ट कर्नाटक 2022' के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कर्नाटक के लोगों को उनके राज्योत्सव के लिए बधाई दी, जो कल मनाया गया था।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक परंपरा और प्रौद्योगिकी, प्रकृति और संस्कृति, अद्भुत वास्तुकला और सशक्त स्टार्टअप का समामेलन है। प्रधानमंत्री ने कर्नाटक में निवेशकों की बैठक के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रतिस्पर्धा और सहकारी संघवाद का एक सटीक उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि नए भारत का निर्माण बोल्ड रिफॉर्म्स, मेसिव इंफ्रास्ट्रक्चर और बेस्ट टैलेंट से ही संभव है। आज सरकार के हर क्षेत्र में साहसिक सुधार किए जा रहे हैं। श्री मोदी ने जीएसटी, आईबीसी, बैंकिंग सुधार, यूपीआई, 1500 पुराने कानूनों को खत्म करने और 40 हजार अनावश्यक अनुपालन का जिक्र किया।

'इन्वेस्ट कर्नाटक 2022'

उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी कानून के कई प्रावधानों को अपराध से मुक्त करने, फेसलेस मूल्यांकन, एफडीआई के नए रास्ते, ड्रोन नियमों का उदारीकरण, भू-स्थानिक और अंतरिक्ष क्षेत्र व रक्षा क्षेत्र जैसे कदम अभूतपूर्व ऊर्जा ला रहे हैं।

कर्नाटक में डबल इंजन वाली सरकार की शक्ति को दर्शाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह राज्य में कई क्षेत्रों के तेजी से विकास के कारणों में से एक है। श्री मोदी ने उदाहरण देते हुए कहा कि कर्नाटक ने व्यापार करने में आसानी में शीर्ष रैंक के बीच अपना स्थान बनाए रखा है और इसे एफडीआई के मामले में शीर्ष राज्यों की सूची में शामिल करने का श्रेय मिला है।

उन्होंने कहा कि फॉर्च्यून 500 कंपनियों में से 400 यहां हैं और भारत के 100 से अधिक यूनिकॉर्न में से 40 से अधिक कर्नाटक में हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक को आज दुनिया में सबसे बड़े प्रौद्योगिकी क्लस्टर के रूप में गिना जा रहा है, जहां उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, फिनटेक, बायोटेक, स्टार्टअप के साथ-साथ टिकाऊ ऊर्जा जैसे हर क्षेत्र में विकास की एक नई गाथा लिखी जा रही है। ■

'चिंतन शिविर सहकारी संघवाद का एक मुख्य उदाहरण है'

- 'पंच प्रण' सुशासन के लिए प्रेरक शक्ति होनी चाहिए
- स्मार्ट टेक्नोलॉजी की मदद से कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है
- कानून व्यवस्था को बनाए रखना सातों दिन और चौबीसों घंटे वाला एक काम है
- यूएपीए जैसे कानूनों ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में सिस्टम को ताकत दी है
- 'एक राष्ट्र, एक पुलिस की वर्दी' कानून प्रवर्तन को एक साझी पहचान देगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 अक्टूबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राज्यों के गृह मंत्रियों के 'चिंतन शिविर' को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने त्योहारों के मौसम में शांतिपूर्ण माहौल के लिए कानून-व्यवस्था से जुड़े कार्मिकों की तैयारियों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि चिंतन शिविर सहकारी संघवाद का एक मुख्य उदाहरण है। श्री मोदी ने कहा कि संविधान में भले कानून और व्यवस्था राज्यों का दायित्व है, लेकिन यह देश की एकता-अखंडता

राज्यों के गृह मंत्रियों का 'चिंतन शिविर'

के साथ भी उतने ही जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि हर एक राज्य एक दूसरे से सीखे, एक दूसरे से प्रेरणा ले, देश की बेहतरी के लिए काम करें, यह संविधान की भी भावना है और देशवासियों के प्रति हमारा दायित्व भी है।

चल रहे अमृत काल की चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि अमृत पीढ़ी पंच प्रणों के संकल्पों को धारण करके निर्मित होगी। उन्होंने कहा कि सुशासन के लिए 'पंच प्रण' प्रेरक शक्ति होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने सभा से पूरे देश के राज्यों की पुलिस के लिए एक ही वर्दी पर विचार करने को कहा। यह न केवल अपनी व्यापकता के कारण गुणवत्ता वाले प्रोडक्ट्स को सुनिश्चित करेगा, बल्कि कानून प्रवर्तन को एक साझी पहचान देगी, क्योंकि नागरिक देश में कहीं भी पुलिस कर्मियों को पहचान पाएंगे।

आतंकवाद के जमीनी नेटवर्क को खत्म करने की आवश्यकता को दोहराते हुए श्री मोदी ने कहा कि हर सरकार अपनी क्षमता और सूझ-बूझ के साथ अपना काम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह समय की मांग है कि एक साथ आएं और स्थिति को संभालें। ■

'जवान' भारत की शान हैं

विपुल शर्मा की रिपोर्ट

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपने प्रेरणादायक और अनुकरणीय विचारों के लिए जाने जाते हैं और यही बात उन्हें अन्य राजनेताओं से अलग बनाती है। श्री मोदी ने पिछले 21 वर्षों में विभिन्न संवैधानिक पदों पर कार्य किया है और इन वर्षों के दौरान उन्होंने कई नई परंपराओं की शुरुआत की है। ऐसी ही एक परंपरा है सशस्त्र बलों के जवानों के साथ दिवाली पर समय बिताने की और अपनी इसी परंपरा को निभाते हुए इस वर्ष भी प्रधानमंत्री श्री मोदी 24 अक्टूबर को कारगिल पहुंचे और जवानों के साथ पूरे उत्साह से दिवाली मनायी।

2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद से प्रधानमंत्री उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के अग्रिम इलाकों में सैनिकों के साथ दिवाली मनाते आये हैं।

प्रधानमंत्री सशस्त्र बलों के जवानों के साथ दीपावली उसी भावना से मनाते हैं जैसे हम और आप अपने प्रियजनों के साथ मनाते हैं। वह जवानों को मिठाई और अन्य उपहार देते हैं। प्रधानमंत्री हर साल सैनिकों के साथ यह त्योहार मनाते हैं, ताकि अपने परिवारों से दूर कुछ दूरस्थ सुरक्षा चौकियों पर तैनात इन जवानों के साथ खुशी के कुछ पल साझा किये जा सकें।

इस अवसर पर वीर जवानों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कारगिल की धरती के प्रति श्रद्धा उन्हें हमेशा सशस्त्र बलों के वीर पुत्र-पुत्रियों की ओर खींचती है। प्रधानमंत्री ने कहा, "वर्षों से, आप मेरे परिवार का एक हिस्सा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि जवानों की उपस्थिति में दिवाली की मिठास बढ़ जाती है और उनके बीच मौजूद दिवाली की रोशनी उनके हौसले को बुलंद करती है।"

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि बाहरी और आंतरिक दोनों दुश्मनों के खिलाफ संघर्ष में भारत की सफलता आपके साहस का परिणाम है। आप सरहद पर कवच बनकर खड़े हैं जबकि देश के भीतर दुश्मनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी करते हैं। श्री मोदी ने कहा कि देश ने आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद को जड़ से उखाड़ने का सफल प्रयास किया है। कभी देश के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में लेने वाले नक्सलवाद पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसका दायरा लगातार सिमट रहा है।

आधुनिक युद्ध में प्रौद्योगिकियों में हुई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भविष्य के युद्धों का स्वरूप बदलने वाला है और इस नए युग में राष्ट्रीय रक्षा की आवश्यकताओं के अनुसार हम देश की सैन्य शक्ति को नई चुनौतियों, नए तरीकों और बदलते परिवेश के अनुरूप तैयार कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि आज पूरे विश्व की नजर भारत पर है, भारत और इसकी विकास क्षमता पर है। श्री मोदी

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जवानों के साथ मनाई दिवाली

2021
प्रधानमंत्री ने जम्मू के नौशेरा सेक्टर में सैनिकों के साथ दिवाली मनायी

2020
प्रधानमंत्री ने राजस्थान के जैसलमेर के लोंगेवाला में सैनिकों के साथ दिवाली पर समय बिताया

2019
प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी में तैनात सैनिकों के साथ इस त्योहार को मनाया

2018
प्रधानमंत्री आईटीबीपी जवानों के साथ समय बिताने हरसिल स्टेशन पहुंचे और वहां मौजूद जवानों को दिवाली की शुभकामनाएं दी

2017
प्रधानमंत्री ने नियंत्रण रेखा के साथ उत्तरी कश्मीर के गुरेज सेक्टर का दौरा किया

2016
प्रधानमंत्री हिमाचल प्रदेश के एक दूरस्थ और रणनीतिक क्षेत्र में तैनात सशस्त्र बलों के जवानों के बीच पहुंचे

2015
प्रधानमंत्री ने पंजाब में 1965 के भारत-पाक युद्ध से जुड़े सैन्य प्रतिष्ठान का दौरा किया

2014
प्रधानमंत्री दिवाली के अवसर पर सियाचिन में तैनात सैनिकों के बीच पहुंचे, जो दुनिया का सबसे ऊंचा और दुर्गम युद्धक्षेत्र है

एक तरफ देश की संप्रभु सीमा हैं, और दूसरी ओर समर्पित सिपाही, एक ओर मातृभूमि की ममतामयी मिट्टी है तो दूसरी ओर वीर जवान। मैं कहीं और इस तरह की दिवाली की उम्मीद नहीं कर सकता था।

– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

ने कहा कि 'आजादी का अमृत काल' भारत की इस सामर्थ्य का, ताकत का साक्षात साक्षी बनने वाला है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'इसमें आपकी भूमिका बहुत बड़ी है क्योंकि आप भारत के गौरव हैं।" उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों के जवानों को समर्पित एक कविता पढ़कर अपने संबोधन का समापन किया।

अपनी परंपरा को जारी रखते हुए प्रधानमंत्री ने पिछले साल नवंबर 2021 में जम्मू के नौशेरा सेक्टर में सैनिकों के साथ दिवाली मनायी। इस दौरान उन्होंने राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर नौशेरा में ड्यूटी के दौरान वीरगति को प्राप्त होने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि भी दी।

2020 में उन्होंने राजस्थान के जैसलमेर के लोंगेवाला में सैनिकों के साथ दिवाली पर समय बिताया। "दिवाली एक त्योहार है जिसे हम परिवार के साथ मनाते हैं, और जिन्हें हम अपना कहते हैं... इसलिए हर साल मैं आप सभी के साथ समय बिताता हूं क्योंकि आप सभी मेरा अपना परिवार हैं। मैं आज आप सभी के लिए मिठाई लेकर आया हूं। लेकिन ये सिर्फ मेरी ओर से नहीं है, बल्कि यह सभी 130 करोड़ भारतीयों की ओर से है।"

इसी तरह, 2019 में जिस वर्ष प्रधानमंत्री श्री मोदी दूसरी बार आम चुनावों में विजयी हुए, उन्होंने जम्मू-कश्मीर के राजौरी में तैनात सैनिकों के साथ इस त्योहार को मनाया। 2018 में वह आईटीबीपी जवानों के साथ समय बिताने के लिए उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर से लौटते समय हरसिल स्टेशन पर रुके और वहां मौजूद जवानों को दिवाली की शुभकामनाएं दी।

2017 में प्रधानमंत्री ने नियंत्रण रेखा के साथ उत्तरी कश्मीर के गुरेज सेक्टर का दौरा किया, जहां उन्होंने लगभग दो घंटे अग्रिम इलाकों में तैनात सैनिकों के साथ समय बिताया। 2016 में उन्होंने चीनी सीमा से सटे हिमाचल प्रदेश के एक दूरस्थ और रणनीतिक क्षेत्र में तैनात सशस्त्र बलों के जवानों के साथ इस त्योहार को मनाया।

इसी तरह साल 2015 में 1965 के भारत-पाक युद्ध से जुड़े पंजाब के सैन्य प्रतिष्ठान का दौरा किया, जहां श्री मोदी ने उन सैनिकों की 'वीरता और चरित्र' की प्रशंसा की।

2014 में प्रधानमंत्री दिवाली के अवसर पर सियाचिन में तैनात सैनिकों के बीच पहुंचे और उनके मनोबल को बढ़ाया। गौरतलब है कि सियाचिन दुनिया का सबसे ऊंचा और दुर्गम युद्धक्षेत्र है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जवानों की वीरता और साहस की तारीफ की। ■

मानगढ़ राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात के लोगों की साझी विरासतः नरेन्द्र मोदी

गोविंद गुरु जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी भारत की परंपरा और आदर्शों के प्रतिनिधि थे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक नवंबर को एक सार्वजनिक कार्यक्रम 'मानगढ़ धाम की गौरव गाथा' में हिस्सा लिया और स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम जनजातीय नायकों और शहीदों को उनके बलिदान के लिए नमन किया। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री ने धूनी दर्शन किए और गोविंद गुरु की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल, केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, सांसद, विधायक आदि उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि मानगढ़ की पवित्र भूमि में आना हमेशा प्रेरक होता है जो हमारे जनजातीय वीरों की तपस्या, त्याग, बहादुरी और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मानगढ़ राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात के लोगों की साझी विरासत है।

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में श्री मोदी ने मानगढ़ के क्षेत्र के प्रति अपनी सेवा को याद किया जो गुजरात का हिस्सा है और बताया कि गोविंद गुरु ने अपने जीवन के अंतिम वर्ष यहां बिताए और उनकी ऊर्जा व उनकी शिक्षाएं अभी भी इस भूमि की मिट्टी में महसूस की जा सकती हैं। प्रधानमंत्री ने याद किया कि वन महोत्सव के मंच के माध्यम से सभी से आग्रह करने के बाद पूरा क्षेत्र हरा-भरा हो गया, जो पहले वीरान भूमि था। श्री मोदी ने अभियान के लिए निःस्वार्थ भाव से काम करने के लिए आदिवासी समुदाय को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि विकास से न केवल स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है, बल्कि गोविंद गुरु की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार भी हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गोविंद गुरु जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी भारत की परंपरा और आदर्शों के प्रतिनिधि थे।

17 नवंबर, 1913 का मानगढ़ नरसंहार

मानगढ़ में 17 नवंबर, 1913 के नरसंहार को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भारत में ब्रिटिश शासन द्वारा अत्यधिक क्रूरता का एक उदाहरण था। श्री मोदी ने कहा कि एक तरफ हमारे पास निर्दोष आदिवासी थे जो आजादी की मांग कर रहे थे, वहीं दूसरी तरफ ब्रिटिश औपनिवेशिक शासकों ने मानगढ़ की पहाड़ियों को घेरकर दिन-दहाड़े एक हजार पांच सौ से अधिक निर्दोष युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों का नरसंहार किया।

उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों के कारण स्वतंत्रता

संग्राम की इतनी महत्वपूर्ण और प्रभावशाली घटना को इतिहास की किताबों में जगह नहीं मिल पाई। श्री मोदी ने कहा कि इस आजादी का अमृत महोत्सव में भारत उस कमी को पूरा कर रहा है और दशकों पहले की गई गलतियों को सुधार रहा है।

जनजातीय गौरव दिवस

प्रधानमंत्री ने बताया कि 15 नवंबर को देश भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाने जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासियों के इतिहास के बारे में जनता को शिक्षित करने का एक प्रयास है।

श्री मोदी ने कहा कि जनजातीय समाज के इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने के लिए देश भर में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित विशेष संग्रहालय बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह शानदार विरासत अब विचार प्रक्रिया का हिस्सा बनेगी और युवा पीढ़ी को प्रेरणा प्रदान करेगी।

मुख्य बातें

- प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम जनजातीय नायकों और शहीदों को उनके बलिदान के लिए नमन किया
- मानगढ़ राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात के लोगों की साझी विरासत है
- गोविन्द गुरु जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी भारत की परंपरा और आदर्शों के प्रतिनिधि थे
- भारत का अतीत, इतिहास, वर्तमान और भारत का भविष्य जनजातीय समुदाय के बिना कभी पूरा नहीं होता
- राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र को मानगढ़ के संपूर्ण विकास के रोडमैप के लिए साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है। ■

मनोहर सरकार ने भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी को खत्म करके हरियाणा को विकसित राज्य बनाने का काम किया है: अमित शाह

हरियाणा में मनोहर सरकार के आठ साल पूरे होने पर 'जन-उत्थान रैली' का आयोजन किया गया

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 27 अक्टूबर, 2022 को फरीदाबाद, हरियाणा के सेक्टर-12 स्थित मैदान में आयोजित 'जन-उत्थान रैली' को संबोधित किया और लगभग 6,600 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने के साथ-साथ हरियाणा में भाजपा की विकास यात्रा के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम को मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय रेल एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश धनखड़, हरियाणा के गृह मंत्री श्री अनिल विज, हरियाणा के प्रभारी एवं त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बिप्लव देब, केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन तथा योजना राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय भारी उद्योग और ऊर्जा राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर सहित भारतीय जनता पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और प्रदेश सरकार में मंत्री उपस्थित थे।

श्री अमित शाह ने पलवल से हरसाना कलां तक लगभग 5,618 करोड़ रुपये की लागत वाली हरियाणा आर्बिटल रेल कॉरिडोर का शिलान्यास किया। साथ ही, उन्होंने रिमोट दबाकर 315.40 करोड़ रुपये से रोहतक में निर्मित देश के पहले सबसे लंबे एलिवेटेड रेलवे ट्रैक और 590 करोड़ रुपये की लागत से बने रेल कोच नवीनीकरण कारखाना बड़ी (सोनीपत) और 106 करोड़ रुपये से निर्मित हरियाणा पुलिस आवास परिसर भोंडसी का भी लोकार्पण किया।

'जन उत्थान रैली' को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि आज भारतीय जनसंघ के पुरोधा और हरियाणा की राजनीति के दिग्गज नेता स्वर्गीय डॉ. मंगल सेन जी का जन्मदिन है। आज हरियाणा भारतीय जनता पार्टी का हर कार्यकर्ता उनकी पवित्र स्मृति को प्रणाम कर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा की जनता के लिए आज 6,600 करोड़ रुपये का दिवाली का तोहफा भेजा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने में दिन-रात लगे हैं। 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने में बड़े लक्ष्यों में एक लक्ष्य था कि वंदे भारत हाईस्पीड ट्रेन का परिचालन शुरू कराना। 'आत्मनिर्भर भारत' की वंदे भारत ट्रेन सोनीपत में बनेगी। इसी तरह रोहतक में बना सबसे लंबा एलीवेटेड रेलवे ट्रैक आने वाले दिनों में शहरी विकास में एक सीमा चिह्न बनने वाला है। सभी बड़े शहरों के लिए जहां रेलवे फाटक ज्यादा हैं, वहां ऐसे एलीवेटेड रेलवे ट्रैक नजीर बनेंगे। इससे गुरुग्राम से चंडीगढ़ तक दिल्ली को बाईपास करते हुए शताब्दी एक्सप्रेस जैसी कई हाईस्पीड गाड़ियां चलेगी। हरियाणा पुलिस परिसर में 576 पुलिस परिवारों को अपना खुद का घर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि आठ साल पहले हरियाणा में एक सरकार बनती थी तो भ्रष्टाचार होता था और दूसरी सरकार आती थी तो गुंडागर्दी बढ़ती थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की श्री मनोहर लाल खट्टर सरकार ने हरियाणा में भ्रष्टाचार को ख़त्म किया और गुंडागर्दी को समाप्त करके हरियाणा को विकसित राज्य बनाने का काम किया है। हरियाणा में हमारी सरकार के आने से पहले हुड्डा जी की सरकार थी, वह थ्री-डी (Three 'D') सरकार थी। लोग फिल्म थ्री-डी फिल्म देखते हैं किंतु हुड्डाजी की सरकार में दरबारी, दामाद और डीलर की थ्री-डी थी। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने पूरे हरियाणा की चिंता की है, सभी वर्गों की चिंता की है।

श्री शाह ने कहा कि हरियाणा में बेटियों की संख्या 1000 पुरुषों पर केवल 871 हुआ करती थी। लिंगानुपात बहुत गिरा हुआ था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'बेटी बचाओ, और बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत हरियाणा से की थी और आज हरियाणा में बेटियों की संख्या 871 से बढ़कर 913 तक पहुंच गई है। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। मेरा स्पष्ट मानना है कि जो राज्य और देश अपनी बेटियों की सुरक्षा नहीं कर सकता है, वह किसी की भी सुरक्षा नहीं कर सकता है।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हरियाणा के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और उसे जमीन पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर प्रतिबद्ध हैं। ■

'यथास्थान झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास परियोजना' के तहत

दिल्ली के कालकाजी में 3024 नवनिर्मित फ्लैटों का उद्घाटन

प्रधानमंत्री ने भूमिहीन कैंप में पात्र झुग्गी–झोपड़ी वासियों को फ्लैटों की सौंपी चाबियां

सभी के लिए आवास उपलब्ध कराने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा 376 झुग्गी-झोपड़ी समूहों में उसी स्थान के इर्द-गिर्द झुग्गी पुनर्वास का कार्य किया जा रहा है। पुनर्वास परियोजना का उद्देश्य झुग्गी-झोपड़ी समूहों के निवासियों को उचित सुविधाओं और सहूलियत के साथ एक बेहतर और स्वस्थ रहन-सहन का वातावरण प्रदान करना है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो नवंबर को 'यथास्थान झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास परियोजना' के तहत झुग्गीवासियों के पुनर्वास के लिए दिल्ली के कालकाजी में बनाए गए 3024 नवनिर्मित ईडब्ल्यूएस फ्लैटों का उद्घाटन किया और दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में भूमिहीन कैंप में पात्र लाभार्थियों को चाबियां सौंपी गईं।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आज दिल्ली के सैकड़ों परिवारों के लिए, हजारों गरीब लोगों के लिए बहुत बड़ा दिन है। वर्षों से जो परिवार दिल्ली की झुग्गियों में रह रहे थे, आज उनके लिए एक नई शुरुआत होने जा रही है। उन्होंने बताया कि अकेले कालकाजी एक्सटेंशन के पहले चरण में ही 3000 से अधिक घर तैयार किए जा चुके हैं। बहुत जल्द क्षेत्र में रहने वाले अन्य परिवारों को अपने नए घरों में प्रवेश करने का अवसर मिलेगा।

आज देश की नीतियों के केंद्र में गरीब है

प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों से देश में शासन व्यवस्था इस मानसिकता से ग्रसित थी कि गरीबी गरीब लोगों की समस्या है, लेकिन आज देश में जो सरकार है, वह गरीबों की सरकार है इसलिए वह गरीब को अपने हाल पर नहीं छोड़ सकती।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आज देश की नीतियों के केंद्र में गरीब है और देश के निर्णयों के केंद्र में गरीब है। श्री मोदी ने कहा कि विशेषकर शहर में रहने वाले गरीब भाई-बहनों पर भी हमारी सरकार उतना ही ध्यान दे रही है।

श्री मोदी ने कहा कि हमने 'वन नेशन, वन राशन कार्ड' की व्यवस्था करके दिल्ली के लाखों गरीबों का जीवन आसान बनाया है। यह महामारी के दौरान गरीब तबके के लिए बेहद फायदेमंद साबित हुआ। इस वैश्विक संकट के समय में दिल्ली के लाखों गरीबों को केंद्र सरकार पिछले 2 साल से मुफ्त राशन भी दे रही है। इस योजना का लाभ कोरोना वैश्विक महामारी के समय दिल्ली के गरीबों ने भी उठाया है। दिल्ली में ही इस पर ढाई हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए गए।

अनधिकृत कॉलोनियां

दिल्ली में अनधिकृत कॉलोनियों के विषय पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने घरों की स्थिति के बारे में लोगों की उनकी निरंतर चिंता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने दिल्ली के लोगों की इस चिंता को कम करने का काम भी किया है। दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों में बने घरों को पीएम-उदय योजना के तहत नियमित करने का काम चल रहा है। अब तक हजारों लोग इस योजना का लाभ उठा चुके हैं।

श्री मोदी ने यह भी बताया कि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को अपना घर बनाने के लिए ब्याज सब्सिडी प्रदान करने में 700 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली में नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि हम दिल्ली को देश की राजधानी की प्रतिष्ठा के अनुरूप एक शानदार, सुविधा संपन्न शहर बनाएं।

प्रधानमंत्री ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर के लिए रैपिड रेल जैसी सेवाएं निकट भविष्य में शुरू होने जा रही हैं। उन्होंने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के भव्य निर्माण के बारे में भी चर्चा की और द्वारका में 80 हेक्टेयर भूमि पर भारत वंदना पार्क के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त की, जो अब अगले कुछ महीनों में पूरा होने वाला है। ■

प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश में पीएम आवास योजना–ग्रामीण के 4.5 लाख से अधिक लाभार्थियों के 'गृह प्रवेशम्' में भाग लिया

'सरकार गरीबों की है और उनके कल्याण के लिए समर्पित है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धनतेरस के अवसर पर 22 अक्टूबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मध्य प्रदेश के सतना में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लगभग 4.51 लाख लाभार्थियों के 'गृह प्रवेशम्' में भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने धनतेरस और दीपावली के शुभ अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के 4.50 लाख भाई-बहनों के लिए आज एक नई शुरुआत है, जो अपने नए पक्के घरों में गृह प्रवेश कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि यह हमारी सरकार का बड़ा सौभाग्य है कि हम 3.5 करोड़ परिवारों के सबसे बड़े सपने को पूरा कर सके।

नए घरों में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार गरीबों की है और उनके कल्याण के लिए समर्पित है तथा गरीबों की जरूरतों और इच्छाओं को समझती है। सरकार द्वारा बनाए गए घर शौचालय, बिजली, पानी का कनेक्शन, गैस कनेक्शन से लैस हैं। सरकार की विभिन्न नीतियां और योजनाएं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए लाखों घरों को पूरा करती हैं।

पिछली सरकारों के दौरान घरों के निर्माण और वितरण की औपचारिकताओं और कड़े नियमों व विनियमों की आलोचना करते हुए श्री मोदी ने कहा कि घर के मालिकों की इच्छाओं और प्राथमिकताओं पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि हमने रास्ते बदल दिए और घर के मालिकों को पूरा नियंत्रण उनके हाथ में दिया।

प्रधानमंत्री ने बताया कि इस नियंत्रण के कारण ही 'पीएम आवास योजना' अब सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण का माध्यम बन गई है। श्री मोदी ने कहा कि अतीत की खराब नीतियों के कारण लोग

अपने घरों की सुविधा से वंचित होने की स्थिति को अगली पीढ़ी को भी सौंपने को मजबूर हुए हैं।

उन्होंने कहा कि मैं अपने करोड़ों देशवासियों को इस दुष्चक्र से बाहर निकालने का अवसर पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मध्य प्रदेश में ही करीब 30 लाख घरों का निर्माण हो चुका है। 9-10 लाख घरों में काम चल रहा है। ■

दिल्ली भाजपा का वचन-पत्र जारी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री मनोज तिवारी और प्रदेश भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक श्री आशीष सूद ने 10 नवंबर, 2022 को एक प्रेसवार्ता के माध्यम से दिल्ली भाजपा का वचन-पत्र जारी किया।

इस अवसर पर श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'जहां झुग्गी, वही मकान' के तहत अपने वायदों को पूरा किया है। केंद्र सरकार ने दिल्ली के झुग्गियों में रहने वाले 3024 झुग्गीवासियों को उनको पक्का मकान देकर यह साबित कर दिया है कि भाजपा खोखले वायदे नहीं करती, बल्कि जो कहती है उसे पूरा करके दिखाती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जिस काम का शिलान्यास करते हैं,

उसका उद्घाटन भी वहीं करते हैं। चाहे वह टनल हो, फ्लाइओवर हो, मेट्रो हो, गरीबों के लिए आवास योजना हो या अन्य विकास कार्य हो। श्री गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में एक ऐसी सरकार है, जिसने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'हर घर नल से जल' योजना को रोक दिया। इसके साथ ही अपने 8 सालों के कार्यकाल में एक भी झुग्गी कॉलोनी या जे जे कलस्टर में आज तक पाइपलाइन नहीं बिछा सकी, जिसके कारण झुग्गीवासी बदबूदार और जहरीला पानी पीने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल 2013 से लेकर अब तक यमुना सफाई को लेकर एक ही स्क्रिप्ट रट रहे हैं, लेकिन आज भी यमुना की स्थिति क्या है वह बताने की जरूरत नहीं है।

एमसीडी चुनाव 4 दिसंबर को, परिणाम 7 दिसंबर को

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के चुनाव 4 दिसंबर को होंगे, जबकि मतगणना 7 दिसंबर को होगी। उक्त घोषणा दिल्ली राज्य चुनाव आयुक्त द्वारा 4 नवंबर को एक संवाददाता सम्मेलन में की गई। विदित हो कि दिल्ली नगर निगम में 250 सीटें हैं, इनमें अनुसूचित जाति के लिए 42 सीटें आरक्षित हैं। महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित होंगी। दिल्ली नगर निगम के वार्डों के परिसीमन के बाद केंद्र सरकार ने 18 अक्टूबर को नोटिफिकेशन जारी किया था। ■

भाजपा ने उपचुनावों में 4 सीटों पर जीत दर्ज की

भारतीय चुनाव आयोग ने 6 नवंबर, 2022 को कुल 7 विधानसभा सीटों के लिए 6 राज्यों में हुए उपचुनावों के परिणाम घोषित किए। यह उपचुनाव बिहार में दो सीटों और हरियाणा, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश की एक-एक सीट पर संपन्न हुए। भारतीय जनता पार्टी ने उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए इन 7 सीटों में से 4 पर जीत हासिल की।

भाजपा ने बिहार, हरियाणा, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में एक-एक सीट पर जीत दर्ज की। इससे पहले इन 7 सीटों में से 3 भाजपा, 2 कांग्रेस और एक-एक सीट राजद और शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट के पास थी।

गोपालगंज से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती कुसुम देवी जीतीं। उत्तर प्रदेश में गोला गोकर्णनाथ सीट से भाजपा प्रत्याशी श्री अमन गिरी ने एक बार फिर विजय प्राप्त की। हरियाणा की आदमपुर सीट से भाजपा प्रत्याशी श्री भव्य बिश्नोई ने जीत हासिल की। ओडिशा की धामनगर विधानसभा सीट पर भाजपा के श्री सूर्यवंशी सूरज ने शानदार सफलता प्राप्त की।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई दी। ■

भाजपा प्रत्याशी जम्मू नगर निगम के महापौर एवं उप महापौर चुने गए

भाजपा प्रत्याशी श्री राजेंद्र शर्मा एवं श्री बलदेव सिंह बिलोरिया 21 अक्टूबर, 2022 को जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के महापौर एवं उप महापौर चुने गए।

उन्हें बधाई देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "आज जम्मू में मेयर व उप-मेयर चुनाव में भाजपा के श्री राजेंद्र शर्मा व श्री बलदेव बलोरिया की ऐतिहासिक जीत आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राज्य में लागू हो रही विकासशील नीतियों का परिणाम है। प्रदेश अध्यक्ष श्री रविन्द्र रैना व भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई।"

महापौर एवं उप महापौर पदों के लिए भाजपा और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला था। महापौर पद के लिए कांग्रेस ने द्वारका नाथ चौधरी को अपना उम्मीदवार बनाया और उसे केवल एक ही वोट मिला। महापौर पद के लिए कुल 59 मत पड़े, जिसमें से 57 मत भाजपा प्रत्याशी श्री राजेंद्र शर्मा को, एक मत अवैध और एक मत कांग्रेस प्रत्याशी को गया। ■

गोवा में जिला पंचायत उपचुनाव में भाजपा की जीत

गोवा में सभी तीन जिला पंचायत निर्वाचन क्षेत्रों के उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी विजयी हुई, जिसके परिणाम 18 अक्टूबर, 2022 को घोषित किए गए।

राज्य चुनाव आयोग के अनुसार भाजपा उम्मीदवार श्री परेश नाइक (डावोरलिम), श्री संदीप काशीनाथ बंदोदकर (रीस-मैगोस) और भाजपा समर्थित निर्दलीय सुश्री मर्सियाना मेंडेस ई वाज़ (कॉर्टालिम) विजयी घोषित किए गए। ■

परेश नाइक

मर्सियाना मेंडेस ई वाज़

संदीप काशीनाथ बंदोदकर

'हमारी संस्कृति, हमारी आस्था का प्रकृति से गहरा जुड़ाव है'

भारत के लिए 'सूर्य देव' सदियों से उपासना ही नहीं, जीवन-पद्धति के भी केंद्र में रहे हैं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 अक्टूबर को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 94वीं कड़ी में छठ पर्व की महिमा, गुरुपुरब के महत्व, जन-जातीय गौरव दिवस, अंतरिक्ष व सौर ऊर्जा में भारत की उपलब्धियां आदि पर चर्चा की।

श्री मोदी ने कहा कि आज, देश के कई हिस्सों में सूर्य उपासना का महापर्व 'छठ' मनाया जा रहा है। 'छठ' पर्व का हिस्सा बनने के लिए लाखों श्रद्धालु अपने गांव, अपने घर, अपने परिवार के बीच पहुंचे हैं। मेरी प्रार्थना है कि छठ मइया सबकी समृद्धि, सबके कल्याण का आशीर्वाद दें।

उन्होंने कहा कि सूर्य उपासना की परंपरा इस बात का प्रमाण है कि हमारी संस्कृति, हमारी आस्था का प्रकृति से कितना गहरा जुड़ाव है। इस पूजा के जरिये हमारे जीवन में सूर्य के प्रकाश का महत्व समझाया गया है। साथ ही, ये सन्देश भी दिया गया है कि उतार-चढ़ाव, जीवन का अभिन्न हिस्सा है। इसलिए, हमें हर परिस्थिति में एक समान भाव रखना चाहिए।

श्री मोदी ने कहा कि छठ का पर्व हमारे जीवन में स्वच्छता के महत्व पर भी जोर देता है। इस पर्व के आने पर सामुदायिक स्तर पर सड़क, नदी, घाट, पानी के विभिन्न स्त्रोत सबकी सफाई की जाती है।

भारत, आज अपने पारंपरिक अनुभवों को आधुनिक विज्ञान से जोड़ रहा है, तभी आज हम सौर ऊर्जा से बिजली बनाने वाले सबसे बड़े देशों में शामिल हो गए हैं

'मन की बात' के दौरान उन्होंने कहा कि 'सौर ऊर्जा' आज एक ऐसा विषय है, जिसमें पूरी दुनिया अपना भविष्य देख रही है और भारत के लिए तो 'सूर्य देव' सदियों से उपासना ही नहीं, जीवन-पद्धति के भी केंद्र में रह रहे हैं। भारत, आज अपने पारंपरिक अनुभवों को आधुनिक विज्ञान से जोड़ रहा है, तभी आज हम सौर ऊर्जा से बिजली बनाने वाले सबसे बड़े देशों में शामिल हो गए हैं।

भारत ने एक साथ 36 सैटेलाइट को अंतरिक्ष में स्थापित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अब से कुछ दिन पहले भारत ने एक साथ 36 सैटेलाइट को अंतरिक्ष में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि इस लॉन्चिंग से कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से कोहिमा तक पूरे देश में डिजिटल कनेक्टिविटी को और मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि नवम्बर महीने में 15 तारीख को हमारा देश जन-जातीय गौरव दिवस मनाएगा। उन्होंने कहा कि देश ने पिछले साल भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयन्ती के दिन आदिवासी विरासत और गौरव को सेलिब्रेट करने के लिए ये शुरुआत की थी।

श्री मोदी ने कहा कि जब धरती आबा बिरसा मुंडा की बात आती है, छोटे से उनके जीवन काल की तरफ़ नज़र करते हैं, आज भी हम उसमें से बहुत कुछ सीख सकते हैं और धरती आबा ने तो कहा था— यह धरती हमारी है, हम इसके रक्षक हैं। उनके इस वाक्य में मातृभूमि के लिए कर्तव्य भावना भी है और पर्यावरण के लिए हमारे कर्तव्यों का अहसास भी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने हमेशा इस बात पर जोर दिया था कि हमें हमारी आदिवासी संस्कृति को भूलना नहीं है, उससे रत्ती-भर भी दूर नहीं जाना है। आज भी हम देश के आदिवासी समाजों से प्रकृति और पर्यावरण को लेकर बहुत कुछ सीख सकते हैं।

गुरु नानकदेव जी ने अपने पूरे जीवन मानवता के लिए प्रकाश फैलाया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आने वाले 8 नवम्बर को गुरुपुरब है। गुरु नानक जी का प्रकाश पर्व जितना हमारी आस्था के लिए महत्वपूर्ण है, उतना ही हमें इससे सीखने को भी मिलता है। गुरु नानकदेव जी ने अपने पूरे जीवन मानवता के लिए प्रकाश फैलाया।

श्री मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश ने गुरुओं के प्रकाश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। हमें गुरु नानकदेव जी का 550वां प्रकाश पर्व, देश और विदेश में व्यापक स्तर पर मनाने का सौभाग्य मिला था। दशकों के इंतजार के बाद करतारपुर साहिब कॉरिडोर का निर्माण होना भी उतना ही सुखद है। कुछ दिन पहले ही मुझे हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे के शिलान्यास का भी सौभाग्य मिला है। हमें हमारे गुरुओं के विचारों से लगातार सीखना है, उनके लिए समर्पित रहना है। ■

बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस इंटरसेप्टर के फेज़-II का पहला सफल उड़ान परीक्षण

एडी-1 एक लंबी दूरी की इंटरसेप्टर मिसाइल है जिसे लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ-साथ विमानों के लो एक्सो-एटमॉस्फेरिक और एंडो-एटमॉस्फेरिक इंटरसेप्शन दोनों के लिए डिज़ाइन किया गया है

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने दो नवंबर को ओडिशा के तट पर एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से लार्ज किल एल्टीट्यूड ब्रैकेट के साथ फेज़-II बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) इंटरसेप्टर एडी-1 मिसाइल का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया। अलग-अलग स्थानों पर स्थित बीएमडी हथियार प्रणाली के सभी अंगों की भागीदारी के साथ यह उड़ान परीक्षण किया गया था।

एडी-1 एक लंबी दूरी की इंटरसेप्टर मिसाइल है, जिसे लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ-साथ विमानों के लो एक्सो-एटमॉस्फेरिक और एंडो-एटमॉस्फेरिक इंटरसेप्शन दोनों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह दो चरणों वाली सॉलिड मोटर द्वारा संचालित है और मिसाइल का लक्ष्य तक सटीक रूप से मार्गदर्शन करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित उन्नत नियंत्रण प्रणाली, नेविगेशन और गाइडेंस एल्गोरिदम से लैस है।

इस उड़ान-परीक्षण के दौरान सभी उप-प्रणालियों ने अपेक्षाओं के अनुसार प्रदर्शन किया और उनका सत्यापन फ्लाइट डेटा को कैप्चर करने के लिए तैनात रडार, टेलीमेट्री और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग स्टेशनों सहित अनेक रेंज सेंसर द्वारा कैप्चर किए गए डेटा द्वारा किया गया।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने एडी-1 के सफल उड़ान परीक्षण से जुड़ी डीआरडीओ तथा अन्य टीमों को बधाई दी। उन्होंने इसे दुनिया के बहुत कम देशों के पास उपलब्ध उन्नत तकनीकों के साथ एक अनूठी तरह का इंटरसेप्टर करार दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह देश की बीएमडी क्षमता को और अधिक मजबूत करेगा। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

कारगिल में 24 अक्टूबर, 2022 को सशस्त्र बलों के साथ दिवाली मनाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

अयोध्या (उत्तर प्रदेश) में 23 अक्टूबर, 2022 को भगवान श्री रामलला विराजमान के दर्शन और पूजन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 7 नवंबर, 2022 को श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

वडोदरा (गुजरात) में 30 अक्टूबर, 2022 को सी–295 विमान निर्माण संयंत्र का शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 08 नवंबर, 2022 को भारत के जी–20 प्रेसीडेंसी के लोगो, थीम और वेबसाइट का अनावरण करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह